वर्ष : 27 | अंक : 142 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 13 मई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

चेतना मंच

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

ऑपरेशन सिंदूर

प्रधानमंत्री पहुंचे आदमपुर एयरबेस

भारत माता की जय से गूँज उठा माहौल

लश्कर के तीन आतंकी ढेर

शोपिया में हुई मुठभेड़, जम्मू में हाई अलर्ट

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद घाटी में आतंकवादियों का काउंटडाउन शुरू हो गया। मंगलवार की सुबह ऐसे ही एक अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को घेर लिया है। आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया है। शोपियां के जम्पाथरी में मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ ऐसे समय हुई है, जब पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों के पोस्टर शोपियां के कई इलाकों में लगाए गए थे। सुरक्षाबलों ने आतंकियों की सूचना देने वाले को 20 लाख रुपये इनाम देने का भी ऐलान कर रखा है। सेना ने पहलगाम में मासूम पर्यटकों की मौत के गुनहगार तीन पाकिस्तानी आतंकियों की तलाश तेज कर दी है।

पहलगाम हमले के बाद सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान के आतंकी कैंपों पर हमले कर उन्हें तबाह कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार के आतंकी शिविरों पर एक्शन के बाद सुरक्षाबलों ने अब सरहद के भीतर यानी जम्मू कश्मीर में आतंक के खिलाफ सैन्य अभियान को तेज कर दिया है। शोपियां समेत अलग-अलग इलाकों में आतंकियों की तलाश के लिए सेना अभियान चला रही।

इस अभियान के दौरान शोपिया में सेना ने मुठभेड़ में लश्कर के 3 आतंकी मार गिराए। इनमें 1 पाकिस्तानी आतंकी है। सूत्रों के मुताबिक सेना ने लश्कर व आरटीएफ से जुड़े आतंकी शाहिद अहमद कुटटू को भी मार गिराया है। शोपिया में सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

घाटी में लगाए गए आतंकियों के पोस्टर

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। श्रीनगर 22 अप्रैल को कश्मीर के अंतर्गत पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकी हमला हुआ। इस नरसंहार में एक नेपाली नागरिक सहित 26 लोगों की मौत हुई थी। हमले के 20 दिन बाद भी हमलावर पकड़ से बाहर है। आतंकियों की धर-पकड़ के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस जगह-जगह छापे मार रही है। इसी क्रम में पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल तीन संदिग्धों की तस्वीरें साझा की है। कश्मीर में जगह-जगह इन आतंकियों के पोस्टर लगे हैं। इन आतंकियों का पता बताने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा।

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह सुबह पंजाब स्थित आदमपुर एयरबेस पहुंचे। यहां पर उन्होंने एयरफोर्स के जवानों से मुलाकात की. पीएम मोदी ने आज सुबह 7 बजे दिल्ली के पालम एयरपोर्ट से उड़ान भरी और पंजाब के जालंधर स्थित आदमपुर एयरबेस पहुंचे. यहां पर पीएम मोदी 1 घंटे तक रहे और एयरफोर्स के जवानों से मुलाकात की. तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी एयरफोर्स के जवानों के साथ दिख रहे हैं। आदमपुर एयरबेस पर पीएम मोदी जवानों के साथ मुस्कुराते दिख रहे हैं। इस दौरान आदमपुर एयरबेस भारत माता की जय के जयकारों से गूंज उठा। बता दें कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ झूठा प्रचार करते हुए कहा था कि उन्होंने भारत के आदमपुर एयरबेस को अपने हमले में उड़ा दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, आज सुबह-सुबह मैं वायुसेना स्टेशन आदमपुर गया और हमारे बहादुर वायु योद्धाओं और सैनिकों से मिला। साहस, दृढ़ संकल्प और निडरता के प्रतीक लोगों के साथ रहना एक बहुत ही खास अनुभव था। भारत हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी रहेगा, जिन्होंने हमारे देश के लिए जो कुछ भी किया है।

सीबीएसई बोर्ड : नोएडा को मिली 16वीं रैंक

10वीं में नोएडा से 89.41 तथा 12वीं में 81.29% छात्र पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025 का परिणाम अपनी आधिकारिक वेबसाइट results.cbse.nic.in पर घोषित कर दिया है। छात्र अपने रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल कोड और जन्म तिथि की मदद से लॉगिन कर अपना स्कोर देख सकते हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा व प्रयागराज रीजन ने लिस्ट में रैंक हासिल की है।

10वीं में नोएडा रीजन से 89.41 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। जबकि 12वीं में 81.29 फीसदी छात्र परीक्षा में पास हुए हैं।

इस वर्ष 12वीं की परीक्षा के लिए 17,04,367 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 16,92,794 छात्र परीक्षा में उपस्थित हुए और 14,96,307 उत्तीर्ण घोषित किए गए। परिणामस्वरूप, कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 88.39% रहा, जो कि पिछले वर्ष के 87.98% की तुलना में 0.41% अधिक है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

न्यूज चैनल के चेयरमैन से आतंकी सिद्धू के नाम पर मांगी रंगदारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में एक समाचार चैनल के चेयरमैन और कारोबारी से एक व्यक्ति ने कथित रूप से खुद को खालिस्तानी आतंकवादी बताकर 25 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है।

थाना सेक्टर-24 पुलिस ने बताया कि सेक्टर-23 निवासी शैलेंद्र शर्मा की ओर से मंगलवार को दी गई शिकायत की जांच सहायक पुलिस आयुक्त विवेक रंजन राय कर रहे हैं।

शिकायत में दावा किया गया कि एक समाचार चैनल के चेयरमैन शैलेन्द्र शर्मा को मंगलवार को एक व्हॉट्सऐप कॉल आया और फोन करने वाले ने खुद को खालिस्तानी आतंकवादी कुलवीर सिंह सिद्धू बताया।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को व्हॉट्सऐप कॉल पर हुई बातचीत का वीडियो सौंपा है जिसमें कॉल करने वाले को 25 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगते और यह कहते हुए सुना जा सकता है कि, ''मेरे बारे में अपने एनआईए, दिल्ली पुलिस से पूछ लेना, मुझ पर 10 लाख रुपये का इनाम है।''

शिकायत में आरोप लगाया गया कि कॉल करने वाले ने उनके घर पर ग्रेनेड से हमला करने की धमकी भी दी है।

पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले सहायक पुलिस आयुक्त मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस को शक है कि इस घटना के पीछे शरारती तत्व हो सकते हैं। आपको बता दें कि खालिस्तानी आतंकी सिद्धू पर एनआईए ने 10 लाख रूपये का ईनाम घोषित कर रखा है।

पंजाब में जहरीली शराब का तांडव 15 की मौत

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई। जबकि 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला मजीठा के मढ़ई गांव और भागली गांव का बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है. मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया गया है।

अमृतसर (ग्रामीण) एसएसपी मनिंदर सिंह ने बताया कि इलाके में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य की हालत गंभीर है। एसएसपी ने कहा कि हमें कल रात करीब 9.30 बजे सूचना मिली कि लोग जहरीली शराब पीने से मर रहे हैं। हमने तुरंत कार्रवाई की और चार लोगों को हिरासत में लिया. हमने मुख्य सप्लायर प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान प्रभजीत सिंह ने सरगना सप्लायर साहब सिंह का नाम बताया। उन्होंने कहा कि हमने उसे भी पकड़ लिया है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

अवैध निर्माण पर होगी मार्किंग, लिखा जाएगा 'यह बिल्डिंग अवैध' है!

नोएडा (चेतना मंच)। जहां-जहां नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित/अधिग्रहित तथा कब्जा प्राप्त भूमि पर अवैध निर्माण हुआ है। वहां पर लिखा जाएगा कि 'यह भवन अवैध है'। इसके अलावा अवैध निर्माण करने वाले जिन अतिक्रमणकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है तथा फिर भी निर्माण जारी है। ऐसे लोगों को भू-माफिया घोषित किया जाएगा। अवैध निर्माण के स्थलों की मार्किंग की जाएगी। यह सख्त निर्देश दिये नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने। प्राधिकरण के सभी विभागों के शीर्ष अफसरों तथा प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान सीईओ ने कई अन्य निर्देश भी दिए।

एफआईआर के बावजूद अवैध निर्माण करने वाले घोषित होंगे 'भूमाफिया'

सीईओ ने कहा कि नोएडा में जितने भी स्थानों पर अवैध निर्माण है वहां पर मार्किंग की जाएगी। इस पर लिखा जाएगा ये बिल्डिंग अवैध है। अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वाले अतिक्रमणकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। वर्क सर्किल वार अवैध निर्माणों के खिलाफ पहले लिए गए एक्शन के बारे में बुकलेट बनाए। जिन मामलों में एफआईआर दर्ज है वहां अब भी निर्माण जारी है उनको भू माफिया

घोषित कराया जाए। आवासीय और ग्रुप हाउसिंग भूमि के लिए लैंड बैंक बनाया जाए। साथ ही जरुरत पड़ने पर आपसी सहमति से किसानों से जमीन खरीदी जाए। गोल्फ कोर्स के लिए अपर जिलाधिकारी से समन्वय बनाया जाए।

विद्युत पोल शिफ्ट करने के निर्देश

सभी मेट्रो स्टेशन के नीचे स्थापित स्ट्रीट लाइट की क्षमता को बढ़ाया लाए। रजनीगंधा क्रासिंग सेक्टर-17 की ओर उद्योग मार्ग पर संदीप पेपर मिल के पास सड़क चौड़ीकरण में आ रहे विद्युत पोलों को शिफ्ट किया जाए। केबिल को भूमिगत करने और सेक्टर-57 एवं 58 की बीच की रोड पर स्थापित ट्रासंफार्मर को शिफ्ट किया जाए। सेक्टर-62 फोर्टिस चौराहे पर रोड चौड़ीकरण में आ रहे विद्युत पोलों को शिफ्ट किया जाए। एमपी-1 रोड पर आ रहे विद्युत डबल पोल स्ट्रक्चर को भूमिगत किया जाए।

फेज-2 में विद्युत डिफेक्ट ओवर हेड विद्युत लाइन को शिफ्ट किया जाए। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

चमकेंगे 12 क्षेत्र 5 क्यूआरटी गठित

मानसून से पहले मुख्य नालों और सेक्टर की नालियों की सफाई एक महीने में पूरी की जाए। साथ ही सात दिन में नाले में तैयार रहा फ्लोटिंग मैटेरियल हटाया जाए। नोएडा के 12 स्थानों को जीरो टालरेंस के लिए चयनित किया गया। इन 12 स्थानों में सफाई के लिए क्यूआरटी गठित की गई है। प्रत्येक क्यूआरटी में एक सुपरवाइजर और 10 कर्मचारी होंगे। यहां दो शिफ्टों में सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसमें डीएससी रास्ता सेक्टर-15 से मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-18 अंडरपास तक, सेक्टर-18 बाजार,एमपी-3 रास्ते पर शशी चौक से सेक्टर-34 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-125 एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने, सेक्टर-59 मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-62 एनएच के मेट्रो के नीचे। फेस-2 सेमसंग रोड, सेक्टर-62 फोर्टिस अस्पताल के चारो ओर, हाजीपुर रोड सेक्टर-104 बाजार के सामने, सेक्टर-57, 58, 59 और सेक्टर-63 के बीच रास्ता इसके अलावा बह्मपुत्र बाजार के चारो ओर अट्टा बाजार, एमपी-2 सेक्टर-18 से अंडरपास से निठारी तक की सफाई की जाएगी। इसमें सिविल कार्य जैसे मरम्मत का काम भी होगा।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

युद्ध विराम

अंततः भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम घोषित कर दिया गया, लेकिन उसे पूर्णतः लागू करने का सच अभी सामने आना है। दरअसल भारतीय सेनाओं के घातक प्रहारों से जब पाकिस्तान के 6 महत्वपूर्ण एयरबेस और एयर डिफेंस, रडार सिस्टम और करीब 25 फीसदी वायुसेना का बुनियादी ढांचा तबाह हो गया, 'मिट्टी-मलबा' हो गया, तब पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा। दूसरी ओर अमरीका को खुफिया सूत्रों से लीड्स मिल रही थीं कि यह टकराव, अंततः, लंबे युद्ध में तबदील हो सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की पोस्ट सार्वजनिक होने से पहले ही शनिवार सुबह 9 बजे पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल कशीफ अब्दुल्ला ने भारत के समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर युद्धविराम की गुहार लगाई थी। अपराह्न 3.35 बजे दोनों अधिकारियों ने 'हॉटलाइन' पर एक बार फिर बातचीत की और युद्धविराम की शुरुआती सहमति बनी। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप इस युद्धविराम में मध्यस्थता का श्रेय लेते रहें, लेकिन न तो भारत सरकार यह मध्यस्थता मानती है और न ही देश का आम नागरिक यकीन करता है। भारत-पाक में सीधे ही बात हुई। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहले युद्धविराम की घोषणा की। उसके बाद हमारे विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा पर सहमति जताई। शनिवार 5 बजे युद्धविराम लागू होने का भी ऐलान किया गया, लेकिन यह अर्द्धसत्य ही साबित हुआ। जैसे ही शनिवार की रात उतरने लगी, तैसे ही पाकिस्तान की फितरत बेनकाब होने लगी। पाकिस्तान ने लगातार ड्रोन हमले किए। इस बार निशाने पर श्रीनगर के सेना मुख्यालय और एयरपोर्ट थे। ऐतिहासिक 'लाल चौक' के आसमान में भी ड्रोन देखे गए। धमाके गूंजने लगे। अंततः मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को टिप्पणी करनी पड़ी-'यह कैसा सीजफायर है! विस्फोट की आवाजें सुनाई दे रही हैं। एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गया है। यह युद्धविराम नहीं है।' जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों से लेकर पंजाब और राजस्थान के कई शहरों और गुजरात के कच्छ तक पाकिस्तान ने ड्रोन हमले कर सेना के ठिकानों और आम नागरिक जिंदगी को निशाना बनाने की कोशिश की। अंततः नाकाम रहा और उसके हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। क्या युद्धविराम का सच यही है? गंभीर सवाल यह है कि क्या भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपना तय लक्ष्य हासिल कर लिया है? भविष्य में देश में आतंकी हमला होगा, तो क्या उसे वाकई 'युद्ध' करार देते हुए भारत पलटवार करेगा? बेशक भारतीय सेनाओं ने जिस तरह आतंकियों के अड्डे 'मिट्टी-मलबा' किए हैं और 100 से अधिक आतंकियों को मौत के घाट उतारा है, वह निश्चित ही विराट सफलता है, लेकिन आतंकियों का आका पाकिस्तान बच गया है। बहुत कुछ मिट्टी में मिलाया नहीं जा सका। पाकिस्तान की वायुसेना का बर्बाद ढांचा फिर से खड़ा किया जा सकता है। चीन और तुर्किये की मदद से एयर डिफेंस, रडार सिस्टम और अन्य सुरक्षा बंदोबस्त दोबारा हासिल किए जा सकते हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान का एक अरब डॉलर का कर्ज मंजूर कर दिया है। हालांकि यह राशि हथियारों के लिए नहीं है। चीन और तुर्किये उधार पर भी मदद कर सकते हैं। फिलहाल भारत के पास सटीक मौका था। लड़ाई का ऐसा मोर्चा निकट भविष्य में बनना असंभव है। इस बार पाकिस्तान की सेना को छिन्न-भिन्न किया जा सकता था। बल्कि उसे सेनाविहीन की स्थिति में लाया जा सकता था।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि तुम कौन हो? सुंदर युवक होकर, जीवन की परवाह न करके वन में अकेले क्यों फिर रहे हो? तुम्हारे चक्रवर्ती राजा के से लक्षण देखकर मुझे बड़ी दया आती है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नाम प्रतापभानु अवनीसा। तासु सचिव मैं सुनहु मुनीसा॥
फिरत अहेरें परेउँ भुलाई। बड़ें भाग देखेउँ पद आई॥

(राजा ने कहा-) हे मुनीश्वर! सुनिए, प्रतापभानु नाम का एक राजा है, मैं उसका मंत्री हूँ। शिकार के लिए फिरते हुए राह भूल गया हूँ। बड़े भाग्य से यहाँ आकर मैंने आपके चरणों के दर्शन पाए हैं॥

हम कहँ दुर्लभ दरस तुम्हारा। जानत हौं कछु भल होनिहारा॥
कह मुनि तात भयउ अँधिआरा। जोजन सत्तरि नगरु तुम्हारा॥

हमें आपका दर्शन दुर्लभ था, इससे जान पड़ता है कुछ भला होने वाला है। मुनि ने कहा- हे तात! अँधेरा हो गया। तुम्हारा नगर यहाँ से सत्तर योजन पर है॥

दो0- निसा घोर गंभीर बन पंथ न सुनहु सुजान।
बसहु आजु अस जानि तुम्ह जाएहु होत बिहान॥

हे सुजान! सुनो, घोर अँधेरी रात है, घना जंगल है, रास्ता नहीं है, ऐसा समझकर तुम आज यहीं ठहर जाओ, सबेरा होते ही चले जाना॥ (क्रमशः...)

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीजफायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी।

उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्टपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सरकारी दफ्तर की दास्ताँ (व्यंग्य)

शहर के बीचों-बीच, एक ऐतिहासिक इमारत थी—ज़माने भर के 'फाइल-काण्डों' की साक्षी। नाम था 'नगर निगम भवन', लेकिन जनता इसे प्यार से 'नागर निकम्मा भवन' कहती थी। वहां काम करने वाले बाबूओं का मानना था कि कुर्सी पर बैठते ही आत्मज्ञान की प्राप्ति हो जाती है, और फिर शरीर स्थिर, और आत्मा चाय में विलीन हो जाती है। जैसे ही कोई फरियादी आता, सबसे पहला प्रश्न होता, 'किस विभाग से हैं?' और अगर बेचारा सीधा नागरिक होता तो फिर—'तो फिर पहले साहब से मिलिए, वो नीचे नहीं आते।' और साहब? वो एकांत साधना में व्यस्त होते, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी की पीएचडी में।

एक दिन एक बुजुर्ग महिला आईं—सत्तर के पार होंगी। काँपती उंगलियों से एक पिटारा सा कागज निकाला और कहा, 'बेटा, ये नल का बिल गलत आ गया है।' बाबू ने नजरें उठाईं, मुस्कराए, और बोले—'अम्मा जी, मशीन ही गड़बड़ करती है, हम तो बस छपवा देते हैं।' फिर कुछ पल बाद बोले, 'और हाँ, कंप्यूटर आज डाउन है, कल आइए।' अम्मा जी का चेहरा झूलती बिजली की तरह बुझ गया। वो बड़बड़ाईं—'बेटा, मैंने 1971 में भारत-पाक युद्ध में कैंटीन चलाई थी, और अब...अब मेरे लिए एक पेंशन फॉर्म भरवाने वाला भी नहीं।' बाबू मुस्कराया, 'देशभक्ति को सलाम, लेकिन फॉर्म भरने के लिए एजेंट से मिलिए।'

> **एक दिन एक बुजुर्ग महिला आईं—सत्तर के पार होंगी। काँपती उंगलियों से एक पिटारा सा कागज निकाला और कहा, 'बेटा, ये नल का बिल गलत आ गया है।' बाबू ने नजरें उठाईं, मुस्कराए, और बोले—'अम्मा जी, मशीन ही गड़बड़ करती है, हम तो बस छपवा देते हैं।'**

वहां की कैंटीन भी इतिहास में दर्ज होनी चाहिए। चाय ऐसी बनती थी कि दो घूंट में वादा खिलाफी की तरह कड़वाहट छोड़ जाए। और समोसे में आलू खोजने का रोमांच वैसा ही था जैसे 'मनोज कुमार' की फिल्म में देश ढूंढ़ना। वहाँ के कर्मचारी एक-दूसरे को 'श्रीमान जी' कहकर संबोधित करते थे, लेकिन पीठ पीछे 'वो घूसखोर' से कम कुछ नहीं। साहब लोग जब बैठक करते, तो विषय होते—'फाइल कैसे दबाएँ', 'काम करने का भ्रम कैसे फैलाएँ', और 'RTI वालों से कैसे बचें'।

एक बार एक युवा ऋद्धु एक्टिविस्ट घुस आया। जेब में संविधान, आंखों में आग। सीधा पूछा—'जनाब, ये सड़क तीन बार बजट में पास हुई, बनी क्यों नहीं?' जवाब मिला—'भाई साहब, बन तो गई थी...बाढ़ में बह गई।' लड़के ने पूछा—'बाढ़ तो पांच साल पहले आई थी।' साहब बोले—'तो आपने पांच साल क्यों गंवाए? कानून की भी समय-सीमा होती है।' फिर उसे एक 48 पन्नों की फाइल दी गई जिसमें हर दूसरा पन्ना लिखा था—'संदर्भ हेतु देखें पृष्ठ 13।' और 13वें पन्ने पर लिखा था—'फाइल निर्माणाधीन है।'

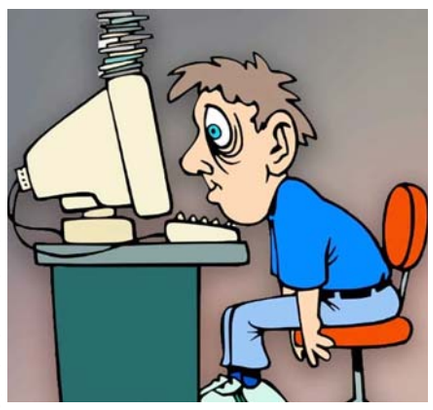

वहीं एक स्थायी चरित्र था—रामलाल चपरासी। जिसे लोग 'रैफरेंस रावण' कहते थे। किसी भी अधिकारी तक पहुंचने के लिए उसके पांव छूने पड़ते थे। फाइलें उसकी टेबल पर पहुंचकर समाधि में चली जाती थीं, और जब तक 'प्रसाद' न चढ़े, पुनर्जन्म संभव नहीं था। उसने तीन बार ट्रांसफर रोका था, चार बार प्रमोशन टाल दिए, और पांच बार छुट्टी की अर्जी बिना पढ़े 'फाइल गुम' बता दी। उसे भी दुख था, पर सिर्फ इतना कि कैंटीन वाले अब दूध पतला देने लगे थे। वो कहता, 'देश में सब चलता है, लेकिन बिना मलाई की चाय नहीं।'

फिर आई वह घड़ी, जब एक 85 वर्षीय वृद्ध ठेकेदार, लाठी के सहारे आया और बोला, 'बेटा, 1964 में मैंने सरकारी स्कूल की नींव डाली थी, उसका भुगतान बाकी है।' बाबू चौंका—'साहब, तब तो हम पैदा भी नहीं हुए थे।' बूढ़ा मुस्कराया—'पर स्कूल अब भी चल रहा है।' बाबू ने हँसते हुए फाइल को झाड़ा और बोला—'ये तो इतिहास में दर्ज होनी चाहिए। वैसे RTI लगाओ, हम भी कुछ नया पढ़ेंगे।'

दोपहर के तीन बजे थे। टेबलों पर फाइलें थीं, और मन में 'आख़िर कब तक' का चुप सा प्रश्न। अचानक बिजली चली गई, और UPS ने भी त्यागपत्र दे दिया। एक बाबू बोला—'लो, अब काम नहीं होगा।' दूसरे ने तुरंत जोड़ा—'और जब बिजली थी, तब क्या हो रहा था?' पूरा विभाग मंद मुस्कराहट में लीन हो गया, जैसे मोदी जी के मन की बात चल रही हो। फिर सबने चाय पी, बिस्कुट तोड़े, और कहा—'देश बदल रहा है।'

शाम को अम्मा जी फिर लौटीं। वही बिल, वही दर्द। बाबू ने फिर मुस्कराकर कहा, 'आज साहब मीटिंग में हैं, कल पक्का कर देंगे।' अम्मा के चेहरे पर आंसू थे, और आंखों में वो चमक जो 1971 में टेंट में जली स्टोव की याद दिला दे। उन्होंने बस इतना कहा—'बेटा, तू मेरी जगह बैठ, और मैं तुझसे कहूं—कल आना। तब समझेगा।' बाबू सन्न। चाय का घूंट कसैला हो गया।

और फिर आई वो सुबह, जब नगर निगम का एक कर्मचारी हृदयाघात से गया। किसी को नाम याद नहीं था। बस इतना कहा गया—'वो जो 35 साल से छुट्टी पर नहीं गया, आज स्थायी अवकाश पर गया।' ऑफिस में दो मिनट का मौन रखा गया, और फिर चाय आई, फाइल खुली, और सिस्टम चालू हो गया। सिस्टम नहीं रुका...कभी नहीं रुकता।

-डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

राशिफल

ज्येष्ठ माह कृष्ण पक्ष प्रतिपदा | (विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु परास्त होंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान का साथ।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम, संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का योग बनेगा। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी लेकिन गृहकलह के भी योग हैं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। जुबान पर नियंत्रण रखें। किसी भी तरह का आर्थिक जोखिम न लें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान मध्यम है। व्यापार मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा सा प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान ठीक ठाक।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज रक्षा सचिव, सीडीएस, नौसेना प्रमुख और सेना प्रमुख के साथ बैठक की।

एक साथ चुनाव के लिए संविधान संशोधन जरूरी : भाष्कर

भदोही (ब्यूरो)। भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक औराई दीनानाथ भास्कर के आवास त्रिलोकपुर में मुख्य अतिथि दीनानाथ भास्कर ने कहा वन नेशन वन इलेक्शन के लिए संविधान संशोधन की जरूरत है। क्योंकि दर्शल में वर्तमान में लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग चल रहा है ऐसे में एक साथ चुनाव कराने के लिए कुछ राज्यों के कार्यकाल को आगे बढ़ना पड़ेगा और कुछ को समय से पूर्व भंग करना पड़ेगा। इसके लिए संविधान में संशोधन की जरूरत पड़ेगी।

मुख्य अतिथि दीनानाथ भास्कर ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 82ए में लोकसभा के कार्यकाल का जिक्र है वहीं अनुच्छेद 172 के खंड 3.4 और 5 में राज्य की विधानसभाओं का जिक्र है इसीलिए वन नेशन वन इलेक्शन के लिए इनमें संशोधन की जरूरत होगी ।सरकार संसद में कौन-कौन से बिल लेकर आएगी इस पर आगे की कालखंड में स्पष्ट रूप कहा जाएगा।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने अपने संबोधन में बताया कि आजादी के बाद देश के पहले 4 चुनाव एक साथ हुए थे 1951 1952 1957 1962 और 1967 में एक साथ ही लोकसभा विधानसभा के चुनाव हुए थे ।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र दुबे नागेंद्र सिंह नंदलाल पांडेय कुंवर प्रमोद चंद मौर्य संयोजक अखिलेंद्र सिंह बघेल चिंटू नवीन मिश्रा सेफ नारायण पाठक मोहित दीपक तिवारी दीपक तिवारी संजय सिंह राकेश सिंह बिजेंदर शुभम अमलेश इत्यादि वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संन्यास के बाद संत प्रेमानंद से मिले विराट कोहली और अनुष्का

मथुरा (एजेंसी)। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी, बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराधे हित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से भेंट की। इस दौरान दोनों ने संत महाराज से आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा में भाग लिया।

संत प्रेमानंद महाराज ने कहा कि हम अपने प्रभु का विधान बताते हैं। जब प्रभु किसी पर कृपा करते हैं, ये वैभव मिलना कृपा नहीं है। ये पुण्य है। ये वैभव बढ़ना, यश बढ़ना भगवान की कृपा नहीं मानी जाती है। भगवान की कृपा मानी जाती है अंदर का चिंतन बदलना। जिससे आपके अनंत जन्मों के संस्कार भष्म होकर, अगला जो होगा, वो उत्तम होगा।

संत प्रेमानंद महाराज ने समझाया कि अंदर का चिंतन बन गया बह्यमुखी यानि बाहर। बाहर यश, कीर्ति, लाभ और विजय से सुख मिलता है। भगवान जब कृपा करते हैं, तो संत समागम देते हैं। दूसरी जब कृपा होती है, तो विपरीतिता देते हैं। फिर अंदर से एक रास्ता देते हैं कि ये मेरा रास्ता है। ये परम शांति का रास्ता है। भगवान वो रास्ता देते हैं और जीव को अपने पास बुला लेते हैं।

संत प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि बिना प्रतिकूलता के संसार का राग नष्ट नहीं होता है। किसी को भी वैराग्य होता है, तो संसार की प्रतिकूलता देखकर होता है। सबकुछ हमारे अनुकूल है, तो हम आनंदित होकर उसका भोग करते हैं। जब हमारे अंदर प्रतिकूलता आती है, तब सोचते हैं कि इतना झूठा संसार है। तो अंदर से भगवान रास्ता देते हैं। कि ये सही है। भगवान बिना प्रतिकूलता के इस संसार को छुड़ाने का कोई अवसर नहीं देते हैं। आज तक जितने महान संत हुए हैं और उनका जीवन बदला है, तो प्रतिकूलता का दर्शन कर बदला है।

सीबीएसई बोर्ड के 10वीं में 93.66 छात्र पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) कक्षा 10वीं के छात्रों का इंतजार खत्म हो गया है. बोर्ड ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं. 12वीं बोर्ड के रिजल्ट जारी होने के बाद बताया जा रहा था कि 10वीं के रिजल्ट भी कुछ ही देर में जारी हो सकते हैं और बोर्ड ने कुछ देर बाद ही रिजल्ट जारी कर दिए हैं।

सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं में इस साल लड़कियों ने बाजी मारी है. लड़कियों का पास प्रतिशत 95ब और लड़कों का पास प्रतिशत 92.63 प्रतिशत रहा है। वहीं, ट्रांसजेंडर का रिजल्ट 95 प्रतिशत रहा है। CBSE बोर्ड कक्षा 10वीं के रिजल्ट में इस साल 23 लाख 85 हजार 79 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें से 23 लाख 71 हजार 939 स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया और 22 लाख 21 हजार 636 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। इस साल का कुल पास प्रतिशत 93.66 रहा है। इस साल परिणाम पिछले साल से 0.66 प्रतिशत बेहतर रहा है।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी 2024 में CBSE ने कक्षा 12वीं और 10वीं दोनों के परिणाम एक ही दिन, 13 मई को जारी किए थे. ऐसे में यह संभावना है कि कक्षा 10वीं का परिणाम आज जारी कर सकता है. बोर्ड की ओर से अभी तक 10वीं के रिजल्ट की आधिकारिक तारीख और समय की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, परिणाम आज दोपहर या शाम तक जारी किया जा सकता है।

भारत की एयर स्ट्राइक में 11 सैनिक ढेर, 78 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत की कार्रवाई में पाकिस्तान को बड़ा नुकसान पहुंचा है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में पल रहे कई खूंखार आतंकियों का नाश हुआ, जिसके बाद उसने भारत पर हमला बोला। भारत की जवाबी कार्रवाई में पाक के कई सैनिक भी ढेर हो गए।

पाक सेना के मीडिया विंग ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि हाल ही में दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ने के दौरान भारत के हमले में पाकिस्तान के 11 सैनिक ढेर हो गए और 78 घायल हुए।

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव तब हुआ जब भारत ने पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के सफाए का प्रण लिया और ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इस हमले में पाक के कई सैनिक भी ढेर हुए। पाक के डॉन अखबार के अनुसार, पाकिस्तानी सेना के मारे गए जवानों में नायक अब्दुल रहमान, लांस नायक दिलावर खान, लांस नायक इकरामुल्लाह, नायक वकार खालिद, सिपाही मुहम्मद अदील अकबर और सिपाही निसार शामिल हैं।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान में आतंकी लॉन्च पैड को नष्ट कर दिया गया। हवाई हमले में कई आतंकी शिविर पूरी तरह तबाह हो गए।

इसके बाद दोनों देशों में हवाई हमले हुए, जो 3 दिन तक चला। शनिवार को, जब दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर था, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया है।

निजी प्रैक्टिस करने वाले दो चिकित्सा शिक्षक बर्खास्त

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर स्थित गणेश शंकर विधार्थी मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) के दो चिकित्सा शिक्षकों को प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा सात डॉक्टर व दो सीएमओ के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी है।

जीएसवीएम के न्यूरो सर्जरी विभाग में सह आचार्य डॉ. राघवेंद्र गुप्ता और पैथोलॉजी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. स्वप्निल गुप्ता पर प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप लगे थे। मामले की कानपुर मंडलायुक्त ने जांच कराई थी। इसमें प्राइवेट प्रैक्टिस की पुष्टि हुई। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आदेश पर दोनों को बर्खास्त कर दिया गया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे चिकित्सा शिक्षकों की विभाग में कोई जरूरत नहीं है। ऐसे ही कानपुर स्थित जेके कैंसर संस्थान के निदेशक पर आउटसोर्स मैनपावर की निविदा में लापरवाही के आरोप लगे हैं। उप मुख्यमंत्री ने बिड को निरस्त कर प्रमुख सचिव को संस्थान के निदेशक से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए हैं। इनके अलावा विभिन्न अस्पतालों में तैनात सात चिकित्सकों को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीतापुर की महमूदाबाद सीएचसी में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतु रानी और बागपत जिला संयुक्त चिकित्सालय में एनस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. मोनू चौधरी लंबे समय से बिना बताए गैरहाजिर हैं। इन डॉक्टरों को एक माह का नोटिस देकर बर्खास्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

डिप्टी सीएम के आदेश पर कानपुर नगर के सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमि के खिलाफ अनियमितता व अन्य कई आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

ऐसे ही फर्रुखाबाद के सीएमओ डॉ. अवनींद्र कुमार से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इन पर शासन को गलत सूचना देने का आरोप है।

पृष्ठ एक के शेष....

अवैध निर्माण पर होगी ....

एक्सप्रेसवे के सुंदरीकरण के लिए सेक्टर-14ए के पास स्थापित डीर को दो दिवस में कार्यशील करे। एक्सप्रेसवे पर सेक्टर 125 के सामने सेंट्रल वर्ज में 6 बड़े फाउंटेन लगाए जाए। एक्सप्रेसवे पर दोनों ओर पेड़ों की छटाई करने के लिए उद्यान विभाग से समन्वय बनाकर दो दिन में करे। एमपी-2 रोड पर एलिवेटेड रोड के नीचे सेक्टर-28 से सेक्टर-61 तक सेन्ट्रल वर्ज में पथ प्रकाश व्यवस्था करे।

पुरानी ग्रुप हाउसिंग को करे विकसित

प्राधिकरण की विभिन्न प्रकार की पुरानी ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओ के रि-डेवलेपमेंट प्लान बनाया जाए। शासन में अफोर्डेबल हाउसिंग के सम्बन्ध में भेजे गये पत्र की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया जाए। 300 वर्गमी या इससे अधिक क्षेत्रफल के भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। 5000 वर्ग मी या इससे अधिक क्षेत्रफल के भूखंडों पर निर्मित सभी श्रेणी के भवनों में सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट की व्यवस्था की जांच की जाए। ग्रुप हाउसिंग योजनाओं में चल रही अवैध व्यवसायिक गतिविधियों की जांच करे।

पंजाब में जहरीली शराब....

हम जांच कर रहे हैं कि उसने यह शराब किन कंपनियों से खरीदी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें पंजाब सरकार से नकली शराब के सप्लायरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश मिले हैं। छापेमारी चल रही है और जल्द ही शराब बनाने वालों को भी पकड़ लिया जाएगा. सख्त धाराओं के तहत दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। नागरिक प्रशासन भी इसमें शामिल है और हम घर-घर जाकर उन लोगों की पहचान कर रहे हैं जिन्होंने शराब पी हो सकती है, ताकि और अधिक लोगों की जान बचाई जा सके। इस घटना से पांच गांव प्रभावित हुए हैं।

सीएम मान ने जताया दुःख

जहरीली शराब से मौतों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि मजीठा के आस पास के गांवों में ज़हरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की दुखद ख़बर मिली है. मासूम लोगों के इन हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ये मौतें नहीं, कत्ल हैं। ज़हरीली शराब से लोगों के घरों में मातम का माहौल बनाने वाले इन दोषियों को कानून के मुताबिक सख्त से सख्त सज़ा दी जाएगी।

सीबीएसई बोर्ड ...

इस बार सीबीएसई कक्षा 12 के परिणाम में 1.15 लाख से अधिक छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, 24,000 से अधिक उम्मीदवारों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की परीक्षा में 88.39 फीसदी स्टूडेंट पास हुए हैं। विद्यार्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट cbseresults.nic.in और results.cbse.nic.in पर जाकर रिजल्ट देख सकते हैं। इस साल 12वीं कक्षा में 16,92,794 ने परीक्षा में हिस्सा लिया था और उसमें से 14,96,307 स्टूडेंट पास हो गए हैं। इस वर्ष कुल मिलाकर 44 लाख से अधिक छात्रों ने बोर्ड परीक्षाएं दी हैं। कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त हुई थीं, जबकि कक्षा 12वीं की अंतिम परीक्षा 4 अप्रैल को आयोजित की गई थी।

बोर्ड परीक्षा में विजयवाडा रीजन प्रथम स्थान पर आया है। इस रीजन के 99.60 फीसदी छात्र पास हुए हैं। उत्तर प्रदेश का नोएडा रीजन 16वें स्थान पर है। नोएडा में 81.29 फीसदी छात्र पास हुए हैं जबकि प्रयागराज रीजन में 79.53 फीसदी छात्र पास हुए हैं। उत्तर प्रदेश में कुल 80.10 छात्र पास हुए हैं। जिनमें 85.82 फीसदी लड़कियां तथा 76.10 फीसदी लड़के शामिल हैं।

Name Change

This is to inform you that, **I PRITAM SINGH S/o DEENA NANTH SINGH,** have Correct my father name in my all documents to **PRITAM SINGH S/o DINA NATH.** My Correct Date of Birth is 08/01/1972. Going forward, I will be known on the name of **PRITAM SINGH S/o DINA NATH.**

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

चण्डीगढ़ और अमृतसर हवाई अड्डों से विमान सेवाएं शुरू

चंडीगढ़। चण्डीगढ़ और अमृतसर हवाई अड्डों पर फिर से उड़ानें शुरू हो गई हैं। ऑपरेशन सिंदूर के चलते 6 व 7 मई की रात यहां हवाई सेवाएं बंद की गई थी। अब सीजफायर होने के बाद सोमवार को एयरपोर्ट अथॉरिटीज की मीटिंग में एयरपोर्ट खोलने का फैसला लिया गया। अचानक हुए इस फैसले के चलते हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या अभी नाममात्र है। अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार सुबह से यहां हवाई सेवाएं सुचारू होंगी। सोमवार को अमृतसर व चण्डीगढ़ में हवाई अड्डा एयरपोर्ट अथॉरिटी की बैठक हुई। बैठक में पाकिस्तान और भारत के सीजफायर की घोषणा के बाद की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद हवाई अड्डों पर विमान सेवाएं फिर से संचालन शुरू करने का फैसला लिया गया। इसके बाद पूरे एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ व राज्य पुलिस ने सर्च अभियान चलाया। पूरे हवाई अड्डा परिसर की जांच के बाद हवाई अड्डे को खोल दिया गया।

वरिष्ठ पत्रकार के विक्रम राव का निधन

लखनऊ। वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के .विक्रम राव का आज प्रातः लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उन्हों सांस संबंधी तकलीफ के कारण आज सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने अस्पताल में ही अंतिम सांस ली। डॉ. राव पत्रकारिता में दशकों से सक्रिय रहे और उन्होंने श्रमजीवी पत्रकारों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया। उनका जीवन संघर्षशील पत्रकारिता, सिद्धांतनिष्ठ विचारों और निर्भीक लेखनी का पर्याय रहा। उनके पार्थिव शरीर को 703, पैलेस कोर्ट अपार्टमेंट, निकट कांग्रेस कार्यालय, मॉल एवेन्यू, लखनऊ में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया है।

कतर के शाही परिवार से ट्रंप को मिलेगा बोइंग 747-8 जंबो जेट

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के दौरान कतर के शाही परिवार से एक लक्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट गिफ्ट के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिकी अधिकारी इस जेट को राष्ट्रपति के संभावित विमान के रूप में भी बदल सकते हैं। खबरों के मुताबिक, ट्रंप जनवरी 2029 में कार्यकाल पूरा होने से कुछ समय पहले इस विमान का इस्तेमाल अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान ह्यएयर फोर्स वनह्ल के नए एडिशन के रूप में करेंगे। एक नए कमर्शिअल 747-8 विमान की कीमत लगभग 400 मिलियन डॉलर (34.17 अरब रुपए) है। इस उपहार की घोषणा उस समय होने की संभावना है जब ट्रंप अपनी यात्रा के तहत कतर जाएंगे, जिसमें सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा भी शामिल है। ये उनके दूसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा होगी। कतर सरकार से जब इस बारे में रविवार रात पूछा गया, तो उन्होंने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। एबीसी के अनुसार, प्रशासन के अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्वारा किसी विदेशी सरकार से इतना कीमती गिफ्ट स्वीकार करने से जुड़े सवालों पर कहा कि एक विश्लेषण तैयार किया गया है, जिसमें तर्क दिया गया है कि ऐसा करना कानूनी होगा।

सुसाइड बॉम्बर ने खुद को उड़ाया, 2 जवानों की मौत, टीटी पर शक

पेशावर। एक बड़ा आतंकी हमला हुआ है, जहां एक सुसाइड बॉम्बर ने पुलिस मोबाइल के पास खुद को उड़ा लिया, जिसमें 2 पुलिस जवान मारे गए। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हमला पेशावर के रिंग रोड पर हुआ। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी है। इस हमले में संदेह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर जताया जा रहा है।

देश की सुरक्षा के लिए 10 उपग्रह तैनात: इसरो

एजेंसी

इम्फाल। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए 10 उपग्रह लगातार देश की निगरानी कर रहे हैं। यह उपग्रह देश की सुरक्षा और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, खासकर सीमा क्षेत्रों पर। यह बयान उन्होंने मणिपुर के इम्फाल में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह के दौरान दिया। डॉ. वी. नारायणन ने बताया कि इन उपग्रहों का उपयोग रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ तनाव के समय में देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए। इन उपग्रहों के माध्यम से सीमा की

- उपग्रह देश की सुरक्षा और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, खासकर सीमा क्षेत्रों पर
- पांच वर्षों में 52 उपग्रह लॉन्च करेगा भारत

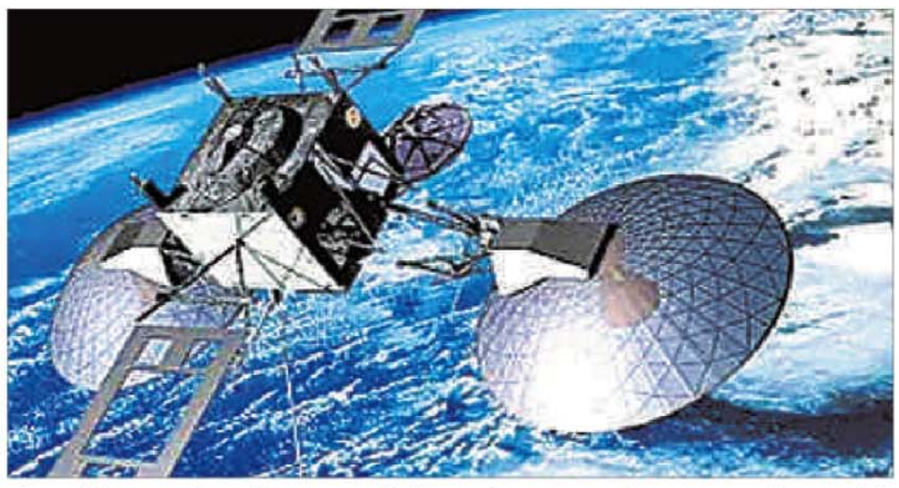

निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं का प्रबंधन और सुरक्षा बलों को सूचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसरो प्रमुख ने एक और बड़ी योजना का खुलासा किया कि भारत 2040 तक अपना पहला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह अंतरिक्ष में भारत की उपस्थिति को और मजबूत करेगा और देश को एक वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनाएगा। डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो अब तक 34 देशों के 433 उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च कर चुका है। यह भारत की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता और वैश्विक विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसरो का उद्देश्य न केवल भारत की सुरक्षा को मजबूत करना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति को भी मजबूत करना है। हाल ही में लॉन्च किए गए ईओएस-09 (रिसैट-1बी) उपग्रह का भी जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि यह उपग्रह दिन-रात और हर मौसम में इमेजिंग क्षमता रखता है। यह उपग्रह न केवल सुरक्षा बल्कि कृषि, आपदा प्रबंधन और अन्य नागरिक कार्यों में भी मददगार साबित हो रहा है। डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो अगले पांच वर्षों में 52 उपग्रहों का एक समूह लॉन्च करने की योजना बना रहा है। इनमें से कई उपग्रह सुरक्षा और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए होंगे। इसके अलावा, इन उपग्रहों को लॉन्च करने में निजी क्षेत्र की भी महत्वपूर्ण भागीदारी होगी, जिससे देश में अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न होंगे।इसरो की यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग को दशार्ती है। सीमा सुरक्षा से लेकर आपदा प्रबंधन तक, भारत के उपग्रह देश की सुरक्षा और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इंदिरा गांधी एयरपोर्ट ने जारी की नई एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने सोमवार को यात्रियों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है जिसमें कहा गया है कि दिल्ली एयरपोर्ट पर सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं, लेकिन कुछ उड़ानों के समय में परिवर्तन किया गया है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने बयान जारी कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं। बदलती हवाई क्षेत्र की स्थिति और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों के कारण कुछ उड़ानों के समय में बदलाव किया जा सकता है और सुरक्षा जांच में ज्यादा समय लग सकता है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी एयरलाइन से नवीनतम जानकारी प्राप्त करें। हैंड बैग और चेक-इन सामान के नियमों का पालन करें। सुरक्षा जांच में संभावित देरी के लिए जल्दी पहुंचे। एयरलाइन और सुरक्षा कर्मचारियों के साथ सहयोग करें।

भीषण सड़क हादसा में चार बच्चों और नौ महिलाओं की मौत

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे खरोरा में रविवार आधीरात रायपुर-बलौदबाजार रोड पर सारागांव के पास माजदा की पहले ट्रेलर फिर डंपर से टक्कर होने से 13 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 10 से ज्यादा घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने बताया कि देररात खरोरा इलाके में हुए हादसे में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मृत्यु की सूचना मिली है। घायलों को रायपुर के मेडिकल कालेज हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। हादसे में मरने वालों में चार बच्चे और नौ महिलाएं शामिल हैं। मृतकों की पहचान मोहंदी, धरसींवा निवासी टिकेश्वरी साहू (45 वर्ष), एकलव्य साहू (6 वर्ष), प्रभा साहू (34 वर्ष)

और गीता साहू (54 वर्ष), गोंडवारा निवासी कुमारी महिमा साहू (18 वर्ष), धरसींवां निवासी नंदनी साहू (53 वर्ष), आनंदगांव, बेमेतरा निवासी उमंग साहू (5 माह), वर्षा साहू (28 वर्ष) और भूमि साहू (4 वर्ष), नागौरा मंदिर, हसौद निवासी राजवती साहू (60 वर्ष), और चटौद, विधानसभा क्षेत्र निवासी कृति साहू (50 वर्ष), कुंती साहू (55 वर्ष) और टिकेश्वर साहू (35 वर्ष) के रूप में की गई है। एसएसपी लाल उमेंद सिंह ने बताया कि ग्राम चटौद के लोग स्वराज माजदा वाहन (सीजी 04, एमक्यू 1259) में रविवार को छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्राम बाना बनारसी गए हुए थे। लौटते समय बलौदबाजार रोड पर सारागांव के पास रायपुर-माजदा वाहन की पहले ट्रेलर से टक्कर हुई। ट्रेलर में लोहे का स्ट्रक्चर था, जो दोनों ओर से तीन-तीन फीट बाहर निकला हुआ था। लोहे के उन स्ट्रक्चर से माजदा वाहन का डाला टकराया, जिससे सबसे अधिक हानि हुई। इसके बाद माजदा डंपर से टकराई। घटना में गैर इरादतन हत्या के तहत दर्ज प्रकरण दर्ज होगा। तीनों वाहनों के चालकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब, एसपी और कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

कान्स महोत्सव के लिए आधिकारिक चयन में तीन भारतीय फिल्में चयनित

एजेंसी

कान्स। प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में इस बार भारतीय सिनेमा की तीन फिल्मों को आधिकारिक चयन में शामिल किया गया है। महान फिल्मकार सत्यजीत रे की सबसे बेहतरीन सिनेमाई कृतियों में से एक मानी जाने वाली वर्ष 1970 की फिल्म अरण्येर दिन रात्रि आगामी कान फिल्म महोत्सव के दौरान प्रदर्शित की जाएगी, जो 13 मई को शुरू होने वाला है। इस फिल्म को कान्स क्लासिक्स श्रेणी में शामिल किया गया है। बंगाली भाषा की एडवेंचर ड्रामा यह फि ल्म सुनील गंगोपाध्याय के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। इस फि ल्म को 20वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फि ल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ फि ल्म के लिए गोल्डन बियर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। बॉलीवुड फिल्मकार नीरज घायवान की फिल्म होमबाउंड अन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन में चयनित हुई है, जो विश्व सिनेमा में नयी और अनोखी आवाजों को दशार्ता है। यह फिल्म दो उत्तर भारतीय युवकों (ईशान खट्टर और विशाल जेठवा) की कहानी पर आधारित है, जो पुलिस में नौकरी पाने के लिये संघर्ष करते हैं और आत्मसम्मान की तलाश में हैं। नीरज घायवान की यह दूसरी फिल्म है। उनकी पहली फिल्म मसान ने 2015 में इसी सेक्शन में मोस्ट प्रॉमिसिंग फ्यूचर प्राइज और इंटरनेशनल फिल्म क्रिटिक्स पुरस्कार जीते थे। भारतीय सिनेमा के लिये गौरव की बात यह है कि सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआई) की फिल्म 'ए डॉल मेड अप ऑफ क्ले' को आधिकारिक तौर पर 2025 में 78वें फेस्टिवल डे कान्स में प्रतिष्ठित 'ला सिनेफ' खंड के लिए चुना गया है। 23 मिनट की प्रयोगात्मक फिल्म ए डॉल मेड अप ऑफ क्ले एक युवा नाइजीरियाई एथलीट की कहानी बताती है, जो भारत में एक पेशेवर फुटबॉलर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिये अपने पिता की जमीन बेच देता है। जब करियर खत्म करने वाली चोट उसे असहाय और निराश कर देती है, तो वह शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक के पुनः खोज की यात्रा पर निकल पड़ता है।

कतर ने लेबनानी सेना को 62,000 टन ईंधन भेजा

एजेंसी

दोहा। कतर ने लेबनानी सेना की परिचालन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 62,000 टन ईंधन की अंतिम खेप लेबनान के त्रिपोली बंदरगाह पर पहुंचाई। यह डिलीवरी कतर फंड फॉर डिवेलपमेंट द्वारा वर्ष 2025 के लिए दी गई तीन ईंधन खेपों में से अंतिम है। कतर समाचार एजेंसी (क्यूएनए) के अनुसार, यह सहायता लेबनानी सेना की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ देश की सुरक्षा और स्थिरता में योगदान देने के लिए प्रदान की गई है। एजेंसी ने यह भी बताया कि यह कदम कतर द्वारा लेबनानी जनता के प्रति एकजुटता और देश में स्थायी शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस रणनीतिक पहल को क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब लेबनान राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। लेबनानी सेना के सूत्रों के अनुसार, यह ईंधन खेप सेना के विभिन्न परिचालन कार्यों जैसे गश्ती, संचार और आपातकालीन सेवाओं में सीधे तौर पर उपयोग की जाएगी, जिससे सीमा सुरक्षा और आर्तरिक शांति बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

इजराइल ने गाजा में बरसाए बम, 15 की मौत, मृतकों में महिलाएं व बच्चे

एजेंसी

गाजा। गाजा में बीती रात इजराइली सेना ने रिहायशी इलाकों पर बमबारी की। इन हमलों में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि दो हमले दक्षिणी शहर खान यूनुस में तंबुओं पर हुए, जिनमें दो-दो बच्चों और उनके मां-बाप की मौत हो गई। वहीं एक अन्य हमले में गाजा शहर के एक इलाके में एक व्यक्ति और उसका बच्चा भी मारा गया। इसके अलावा, अन्य स्थानों पर सात और लोग मारे गए हैं। इजराइली सेना ने अपनी सफाई में कहा कि उसने आतंकियों को निशाना बनाने और आम लोगों को नुकसान से बचने का प्रयास किया है। उसने 19 महीने से जारी युद्ध में आम लोगों की

मौत के लिए हमास को जिम्मेदार बताया है। उसने कहा है कि आतंकवादी घनी आबादी वाले इलाकों में छिपे हैं। ताजा हमलों के बारे में इजराइल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इजराइल ने 10 सप्ताह से ज्यादा समय से गाजा में भोजन और दवाओं समेत सभी तरह की चीजों की आपूर्ति पर पाबंदी लगा रखी है। इजराइल इसे बंधकों की रिहाई के लिए हमास पर दबाव बनाने की रणनीति बता रहा है। इजराइल ने युद्धविराम को तोड़कर मार्च में दोबारा हमले शुरू कर दिए थे। युद्धविराम लागू होने के बाद इजराइल के 30 से ज्यादा बंधकों की रिहाई हुई थी।

तिब्बत में भूकंप से हिली धरती, उप्र और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में महसूस किए गए झटके

एजेंसी

ल्हासा। तिब्बत में आज तड़के भूकंप के तेज झटकों ने सो रहे लोगों को हिलाकर रख दिया। भारतीय समयानुसार आज सुबह 2:41 बजे तिब्बत में रिक्टर स्केल पर 5.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका असर भारत के उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती इलाकों तक महसूस किया गया। झटके महसूस होते ही यहां के लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र 29.02त उत्तरी अक्षांश और 87.48त पूर्वी देशांतर पर स्थित था और इसकी गहराई जमीन पर करीब 10

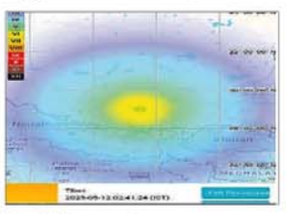

किलोमीटर थी। यह इलाका हिमालयी भूगर्भीय क्षेत्र में आता है। भूकंप लिए क्षेत्र को अत्यधिक संवेदनशील माना जाता है। यहां अकसर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। बताया गया है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती जिलों में अचानक आए झटकों से लोग नींद से जाग गए और आनन-फानन में घर छोड़कर बाहर आ गए।

विज्ञान का चमत्कार: मृत व्यक्ति गवाही देने पहुंचा कोर्ट

एजेंसी

न्यूयार्क। जिस इंसान की मौत का केस चल रहा था, वो अपने ही हत्यारे को मैसेज देने के लिए चार साल बाद कोर्ट में पहुंच गया। जज भी भौचक्के रह गए कि आखिर ये हुआ कैसे? वैसे विज्ञान और टेक्नोलॉजी की दुनिया में सब कुछ मुमकिन है। अमेरिका में एक 37 साल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके हत्यारे पर केस चल रहा था, इसी बीच खुद वो शख्स कोर्ट में गवाही देने के लिए

पेश हो गया। ये देखकर कोर्ट में मौजूद सभी लोग दंग रह गए। ये मामला अमेरिका के एरिजोना का है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में एक विवाद के बाद गैब्रियल होरकासिटास नाम के व्यक्ति ने क्रिस्टोफर पेल्की नाम के शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसी दौरान मौत के चार साल बाद पेल्की ने कोर्ट में विक्टिम इम्पैक्ट स्टेटमेंट दिया। चौंकिए मत, ये स्टेटमेंट उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिया दिया। वे ग्रे बेसबॉल कैप, ग्रीन हुडी और दाढ़ी में आए और उन्होंने कोर्ट में मौजूद अपने हत्यारे और वहां मौजूद लोगों को अपना मैसेज दिया। पेल्की को इस तरह देखकर लोग दंग रह गए और उन्होंने उसकी बात ध्यान से सुनी।

अमेरिका में दवाएं होंगी सस्ती, ट्रंप का नागरिकों से वादा

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में दवाएं 30 प्रतिशत तक सस्ती होने जा रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रिस्क्रिप्टिड और फार्मा प्रोडक्ट्स की कीमतें कम करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने रविवार को अपने फैसले से देशवासियों को अवगत कराया है। सीबीएस न्यूज चैनल के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना इरादा ट्रुथ सोशल पर जताया है। उन्होंने कहा कि वह इस आशय के कार्यकारी आदेश पर सोमवार को हस्ताक्षर करेंगे ।इसके बाद दवाइयों की कीमतें

तुरंत कम कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि कई सालों से देख रहा हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रिस्क्रिप्टिड ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स के दाम अन्य देश की तुलना में काफी ज्यादा हैं, लेकिन क्यों हैं, यह आज तक समझ नहीं पाया।उन्होंने कहा कि कभी-कभी तो एक कंपनी की प्रयोगशाला या प्लांट में निर्मित एक दवा अन्य कंपनियों की दवा की तुलना में पांच से 10 गुना ज्यादा महंगी होती हैं। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर विस्तार से बात की है। उन्होंने लिखा कि फार्मा कंपनियां रिसर्च और निर्माण लागत को दवाइयों की ऊंची कीमतों का कारण बता रही हैं। वह दवाइयां सस्ती करने का आदेश जारी करेंगे। कार्यकारी आदेश यूएस स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग को मेडिकेयर को निर्देश देगा कि वह डॉक्टर के कार्यालय में दी जाने वाली दवाओं के लिए भुगतान की जाने वाली राशि को अन्य देशों को भुगतान की जाने वाली न्यूनतम कीमत से जोड़े।

इमरान खान खबरों से गायब, भारत से तनाव बढ़ाकर मुनीर ने चली चाल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के अध्यक्ष गोहर अली खान ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार से पीटीआई के साथ भी संघर्ष विराम की अपील की है। वहीं पीटीआई को इस बात का डर है कि इमरान की हत्या कराई जा सकती है। इमरान के करीबी डा सलमान का दावा है कि भारत से संघर्ष के बीच ऐसा करने की कोशिश की गई। जेल के ऊपर ड्रोन उड़ते हुए दिखे। हालांकि पाकिस्तानी सेना के जनरल असीम मुनीर और इमरान खान में बिल्कुल भी नहीं बनती है। यही कारण है कि पाकिस्तान की मीडिया से इमरान खान पूरी तरह गायब हैं। रविवार को पाकिस्तानी अखबार और मीडिया आउटलेट में इमरान खान से जुड़ी कोई भी खबर नहीं देखने को मिली।

सीजफायर को प्रमुखता दी गई, जबकि सबसे बड़ी खबर यही है कि उन्हें जेल में मारने से जुड़ी कोशिश की गई। लंबे समय से इमरान खान सेना की पहली पसंद रहे हैं। लेकिन अप्रैल 2022 में उन्हें अविश्वास मत से हटा दिया गया। तकनीकी रूप से यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया लग रही थी, लेकिन असल बात है कि सेना उनके ऊपर कंट्रोल नहीं कर पा रही थी। हटाने के बाद उन्हें जेल में डाला गया और उनकी स्पीच प्रतिबंधित कर दी गई। भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसा फैसला दिया, जिससे इमरान की किस्मत जनरल मुनीर के हाथों में चली गई। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि नागरिक मुकदमों को सैन्य अदालतों में चलाया जा सकता है। 9 मई 2023 को इमरान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में दंगे हुए थे। इसमें पीटीआई के कार्यकर्ता आरोपी हैं, जिनका अब सैन्य अदालत में ट्रायल किया जाएगा। पीटीआई के लोग मानते हैं कि यह फैसला उनकी सरकार को दबाने के लिए हैं। इमरान को जनता का सपोर्ट है, जिससे सेना डरती है। उसे हमेशा इस बात का खतरा है कि इमरान जैसा नेता उसकी ताकत कम कर सकता है। पाकिस्तान में सेना जो चाहती है वही होता है। आज शहबाज को समर्थन है तो वो पीएम बने हैं। इमरान को भी सेना का समर्थन था, लेकिन जैसे ही सेना ने अपना हाथ हटाया वह सत्ता से गायब हो गए। सेना का दबदबा कितना है वह इसी बात से समझा जा सकता है कि अमेरिका के विदेश मंत्री सीधे जनरल मुनीर को फोन करते हैं।

तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में शतरंज पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

काबुल। तालिबान प्रशासन ने अफगानिस्तान में शतरंज खेलने और उससे जुड़ी सभी गतिविधियों पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है। खेल निदेशालय के प्रवक्ता अतल मशवानी ने रविवार को जानकारी दी कि शतरंज को इस्लामी शरीयत के अंतर्गत जुए का माध्यम माना जाता है, जो देश में लागू नेकी का प्रचार और बुराई से रोकथाम कानून के अनुसार वर्जित है। अतल मशवानी ने कहा, शतरंज को लेकर धार्मिक आपत्तियां हैं और जब तक इन आपत्तियों का समाधान नहीं हो जाता, इस खेल को अफगानिस्तान में निलंबित रखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय शतरंज महासंघ की ओर से कोई आधिकारिक टूर्नामेंट आयोजित नहीं किया गया है और नेतृत्व स्तर पर भी कुछ समस्याएं चल रही हैं। इस निर्णय से शतरंज प्रेमियों और संबंधित व्यवसायों में निराशा व्याप्त है। काबुल के एक कैफे संचालक अजीजुल्लाह गुलजादा, जिनके यहां अनौपचारिक शतरंज प्रतियोगिताएं होती थीं, ने कहा कि उनके यहां कभी भी जुए की गतिविधियां नहीं हुईं। उन्होंने कहा, दुनिया के कई इस्लामिक देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के शतरंज खिलाड़ी हैं। यह खेल सिर्फ एक मानसिक अभ्यास है। उन्होंने यह भी जोड़ा, हम सरकार के आदेश का सम्मान करेंगे, लेकिन इसका असर हमारी आजीविका और युवाओं की मानसिक सक्रियता पर पड़ेगा। आजकल युवाओं के पास वैसे ही कम गतिविधियां हैं, शतरंज उनका पसंदीदा खेल था।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा

एजेंसी

मुम्बई : भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। विराट के संन्यास के साथ ही उनकी 14 साल के टेस्ट करियर का समापन हो गया। रन मशीन के नाम से लोकप्रिय विराट ने अपने शानदार खेल से प्रशंसकों का बेशुमार प्यार हासिल किया है। वह अपने एक से बढ़कर एक परियों के कारण याद रखे जाएंगे।

पुणे में बनाया सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर 254 रन

विराट कोहली का करियर का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर 254 रन रहा है जो उन्होंने पुणे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2019 सीरीज के दूसरे टेस्ट में बनाया था। कोहली ने करीब आठ घंटे तक बल्लेबाजी की और 33 चौकों और 2 छक्के लगाये। उन्होंने वर्नोन फिलेंडर और डेब्यू करने वाले एनरिक नॉर्टजे जैसे बेहतरीन दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण को प्रभावहीन बना दिया था। कोहली के नाबाद दोहरे शतक से तब भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 601 रन बनाये और अंत में

एक पारी और 137 रनों की मैच जीता

सेंचुरियन में 153 रन

2018 में सेंचुरियन में विराट ने विदेशी हालातों में अपनी सबसे अच्छी पारी खेली। मोर्ने मोर्कल, कैगिसो रबाडा और वर्नोन फिलेंडर जैसे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ कोहली ने 153 रन बनाए।कोहली दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद जमे रहे। उनकी पारी में 15 चौके शामिल थे

2018 में एजबेस्टन में 149 रन

विराट कोहली ने 149 रन की शानदार पारी खेलकर आलोचकों को करारा जवाब दिया। यह इंग्लैंड में उनका पहला शतक भी था। 2014 में इंग्लैंड में अपने खराब प्रदर्शन के बाद भारी दबाव में श्रृंखला में शामिल होने के बाद कोहली ने जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे मजबूत आक्रमण का सामना किया, जो एक बार फिर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में था।

2016 में मुंबई में 235 रन

इंग्लैंड के भारत दौरे के चौथे टेस्ट में कोहली ने 235 रनों की शानदार पारी खेली जो उस समय टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर था। स्पिन के लिए मददगार साबित हो रही पिच पर इंग्लैंड के स्पिनरों और तेज गेंदबाजों का बखूबी सामना करते हुए उन्होंने ये पारी खेली

2014 में एडिलेड में 115 और 141 रन

एमएस धोनी की चोटिल होने के बाद पहली बार भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में कार्यभार संभालते हुए कोहली ने दो शतकों के साथ आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने पहली पारी में 115 और दूसरी में 141 रन बनाए।

टेस्ट करियर को खुशी से याद रखूंगा : विराट कोहली

मुम्बई : अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 36 साल के विराट ने इसके बाद कहा कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ टीम को दिया है और मैं खुशी से अपने टेस्ट करियर को याद करुंगा। कोहली ने पिछले साल ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलेंगे। उन्होंने अब तक भारत की ओर से 123 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत और 30 शतकों की सहायता से 9230 रन बनाए हैं। कोहली ने सोशल मीडिया में कहा, ह्यह्यजब मैं खेल के इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं तो मेरे लिए यह आसान नहीं है पर ये सही लगता है। मैंने इसे अपना सबकुछ दिया है और इसने भी मुझे उम्मीदों से कहीं अधिक बढ़कर दिया है। उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभार लेकर जा रहा हूं जिसने मुझे इस दौरान खेलते हुए देखा। विराट से पहले रोहित शर्मा ने भी पिछले सप्ताह टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया।

एक दिग्गज की विदाई, यादों की गठरी और विराट रिकॉर्ड्स की चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी, जिससे लंबे फॉर्मेट में उनके अपार योगदान और नेतृत्व की गाथा पर विराम लग गया। 36 वर्षीय कोहली का यह फैसला उनके 14 साल लंबे टेस्ट करियर का अंत है, जिसमें उन्होंने कठिन हालातों में शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को एक महान बल्लेबाज और कप्तान के रूप में स्थापित किया। कोहली ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी कि वह अब टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलेंगे।

विराट कोहली का यादगार टेस्ट सफरः शतक, आंकड़े और रिकॉर्ड्स

कोहली ने अपने 14 साल के टेस्ट करियर में 123 मैच खेले और 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए, जिसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 7 दोहरे शतक भी जड़े, जिसमें सर्वोच्च स्कोर नाबाद 254 रहा। वह भारत की ओर से टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर (15,921 रन), राहुल द्रविड़ (13,288) और सुनील गावस्कर (10,122) हैं। कोहली ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। हालांकि शुरूआती दौरा कुछ खास नहीं रहा, लेकिन 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 116 रनों की पारी ने उनकी प्रतिभा को पूरी दुनिया में पहचान दिलाई।

2011 से 2015 के बीच उन्होंने 41 टेस्ट में 2,994 रन बनाए, जिसमें 11 शतक शामिल रहे। खास बात यह रही कि 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तान बनने के साथ ही उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें चार शतक थे। यह वही समय था जब इंग्लैंड दौरे पर बुरी तरह फ्लॉप होने के बाद उन्होंने वापसी की और अपने करियर को एक नया मोड़ दिया।

2016 से 2019 तक कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ दौर बिताया। इस दौरान उन्होंने 43 टेस्ट में 4,208 रन बनाए, जिनमें 16 शतक, 10 अर्धशतक और 7 दोहरे शतक शामिल थे। यह दौर उनकी बल्लेबाजी के स्वर्णिम वर्षों में से एक माना जाता है। कोहली ने इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में शतक जमाकर साबित किया कि वह सिर्फ एशिया के नहीं, बल्कि दुनिया के हर कोने में रन बना सकते हैं। 2018 इंग्लैंड दौरा इस बात का गवाह बना, जब उन्होंने 593 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज बने। हालांकि 2020 के बाद उनका प्रदर्शन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका। इस दशक में उन्होंने 39 टेस्ट में केवल 2,028 रन बनाए, औसत 30.72 रहा। 2023 में उनका प्रदर्शन बेहतर रहा, जिसमें 671 रन बनाए, लेकिन 2024 फिर निराशाजनक रहा और उन्होंने 10 टेस्ट में केवल 382 रन बनाए। उनका आखिरी टेस्ट शतक पर्थ में आया, जबकि भारत में आखिरी टेस्ट शतक 2023 में अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रहा।

विराट कोहलीः भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान

कोहली ने 2014 में जब भारत की कप्तानी संभाली, तब टीम आईसीसी रैंकिंग में 8वें स्थान पर थी लेकिन उनके नेतृत्व में भारत ने आक्रामक क्रिकेट खेला और जल्द ही नंबर एक टीम बन गई। उन्होंने श्रीलंका में 22 साल बाद टेस्ट सीरीज जीत दिलाई, वेस्टइंडीज में ऐतिहासिक जीत दिलाई और 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान बने।

आईपीएल : जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांच में से चार बल्लेबाज भारतीय

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अब तक हुए 58 मुकाबलों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। विराट जीते हुए मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस सत्र में अब तक जीते हुए मुकाबलों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की जो सूची सामने आई है, जिसमें भारतीय बल्लेबाज छाये हुए हैं। इस सूची में पांच में से केवल एक ही विदेशी खिलाड़ी को जगह मिली है। इसमें शामिल विराट ने अब तक 11 मैचों में से 8 विजयी मुकाबलों में कुल 475 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत आरसीबी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है और प्लेऑफ की दौड़ में भी वह शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं गुजरात टाइटंस की टीम में शामिल इंग्लैंड के जोस बटलर। बटलर ने 8 पारियों में 380 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। गुजरात टाइटंस ने अब तक 11 में से 8 मैच जीते हैं, और बटलर के प्रदर्शन की इसमें अहम भूमिका रही है। वहीं तीसरे नंबर पर भी गुजरात के ही साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 8 पारियों में 340 रन बनाये हैं और लगातार टीम को तेज शुरूआत दिलायी है। गुजरात टाइटंस के ही कप्तान शुभमन गिल ने 8 पारियों में 331 रन बनाए हैं। इस सूची में पांचवें स्थान पर मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 7 पारियों में 303 रन बनाए हैं। इसके साथ ही वे पूरे टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन (510) बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

शंघाई में तीरंदाजी विश्वकप में स्टेज टू में जीत के बाद दक्षिणी कोरिया के खिलाड़ी लिम शियोन व किम वोजिन पोज देते हुए।

आईपीएल के 16 या 17 मई से फिर शुरू होने की संभावना

- कोलकाता की जगह अहमदाबाद में हो सकता है फाइनल

एजेंसी

मुम्बई । भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के कारण अब आईपीएल 2025 सत्र के बचे हुए मैच 16 या 17 मई से फिर शुरू होंगे। वहीं फाइनल का आयोजन स्थल कोलकाता से बदलकर अहमदाबाद किये जाने की संभावना है। आईपीएल संचालन परिषद के सदस्यों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गत दिवस लीग को फिर से शुरू करने की योजना पर बात की थी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अभी कार्यक्रम बनाने पर काम कर रहा है। शुक्ला ने कहा, ह्यअभी तक आईपीएल पर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। बीसीसीआई अधिकारी समाधान पर काम कर रहे हैं। इसमें बीसीसीआई सचिव, आईपीएल अध्यक्ष फ्रेंचाइजी और सभी के साथ बातचीत हो रही है। इसलिए बहुत जल्द हमें फैसले के बारे में पता चल जाएगा। टूर्नामेंट को शीघ्र शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ये भी अटकलें हैं कि लीग लखनऊ सुपर जाइंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच 9 मई का रद्द हुए मैच के साथ ही फिर से शुरू होगी। इसी कारण सभी टीमों को अपने खिलाड़ियों को वापस बुलाने के लिए कहा गया है। टूर्नामेंट 16 या 17 मई को लखनऊ में फिर से शुरू होगा। सबसे अधिक संभावना है कि मैच चार स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे और दिल्ली तथा धर्मशाला को और मैचों की मेजबानी नहीं मिलेगी। क्वालीफायर एक और एलिमिनेटर के लिए स्थल में कोई बदलाव नहीं होगा जिसकी मेजबानी हैदराबाद को करनी थी पर कोलकाता को एक जून को होने वाले फाइनल की मेजबानी नहीं मिलेगी । क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार उस दिन बारिश की संभावना है हालांकि अभी तक प्लेऑफ चरण के लिए स्थलों में कोई बदलाव नहीं किया गया है पर ऐसा लगता है कि बारिश कोलकाता की संभावना को देखते हुए फाइनल अहमदाबाद में खेला जा सकता है। वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, ह्यअगले कुछ दिनों में हम लीग के शेष मैचों की मेजबानी करने वाली फ्रेंचाइजी, प्रसारकों, प्रायोजकों और राज्य संघों के साथ परामर्श शुरू करेंगे। इस समय आईपीएल के महत्व को देखते हुए इसे फिर से शुरू करने के समय को अंतिम रूप देने से पहले भारत सरकार की मंजूरी लेना भी जरुरी होगा।

किन्नन चेनाई- सबीरा हारिस ने ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में जीता कांस्य

एजेंसी

नई दिल्ली । ओलंपियन किन्नन चेनाई और 18 वर्षीय सबीरा हारिस की जोड़ी ने साइप्रस के निकोसिया में आयोजित आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप 2025 में ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया।

तुर्की को दी कांटे की टक्कर

कांस्य पदक मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने तुर्की की टीम – टोल्गा टंसर और रुमेया काया – को 34-33 के करीबी अंतर से हराया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में भारत ने 142 अंक बनाए थे और चीनी ताइपे की टीम (वान-यू लियू और कुन-पी यांग) को शूट-ऑफ में 4-2 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल मैच में प्रवेश किया।

आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप 2025

सबीरा का शानदार प्रदर्शन

18 वर्षीय सबीरा हारिस ने क्वालिफिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 75 में से 72 शॉट्स लगाए, जबकि 34 वर्षीय अनुभवी किन्नन चेनाई ने 70 शॉट्स पूरे किए। सबीरा इससे पहले भी जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में शार्दूल विहान के साथ मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में मेडल जीत चुकी हैं।

गोल्ड मुकाबले से चूकी तुर्की की टीम

दिलचस्प बात यह रही कि तुर्की की टीम गोल्ड मेडल मुकाबले में जगह बनाने से भी चूक गई। वे दूसरे स्थान पर रही चीन की जोड़ी झांग ज़िक्सी और क्वी यिंग से शूट-ऑफ में 1-2 से हार गए, जबकि पोलैंड की टीम ने 146 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया।

दूसरे भारतीय दल का औसत प्रदर्शन

भारत की दूसरी टीम जिसमें शार्दूल विहान (72) और कीर्ति गुप्ता (65) शामिल थे ।

समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट ने मोराबादी स्थित साईं क्रिकेट कोचिंग सेंटर के नन्हें क्रिकेटरों के बीच चलाया पक्षी बचाओ अभियान

- नन्हें क्रिकेटरों के बीच सैकड़ों सिकोरे का भी किया गया वितरण

पंच संवाददाता

रांची । समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए रांची के मोराबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क स्थित साईं क्रिकेट कोचिंग सेंटर के नन्हें क्रिकेटरों के बीच बेजुबान पक्षियों कि रक्षा के लिए रुपक्षी बचाओ अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया।इसमें साईं क्रिकेट कोचिंग सेंटर के नन्हें क्रिकेट खिलाड़ियों के अलावे उनके अभिभावकों को इस भीषण गर्मी में पक्षियों सहित अन्य बेजुबान प्राणियों को दाना पानी देने की अपील भी की गई। मौके पर नन्हे क्रिकेटरों एवं उनके अभिभावकों के बीच पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सैकड़ों सिकोरे बाटे गए।साथ ही साथ यह संकल्प भी दिलाया गया कि सब अपने अपने घरों पर सिकोरे रख कर पक्षियों को दाना पानी देकर उनकी रक्षा करने में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी,साईं क्रिकेट कोचिंग सेंटर के निदेशक मानिक घोष , गोपाल सिंह, पम्मी कुमारी, ऋषिकेश लाल सहित कई गणमान्य लोग नागरिक उपस्थित थे।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 : यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित

सलीमा टेटे को कप्तान व नवनीत कौर को बनाया गया उपकप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह चरण 14 से 29 जून तक लंदन, एंटवर्प और बर्लिन में आयोजित होगा, जिसमें भारत चार प्रतिभागी टीमों– ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगा। भारत अपना अभियान 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से शुरू करेगा। टीम की कमान मिडफील्ड की स्टार खिलाड़ी सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि फॉरवर्ड लाइन की अनुभवी खिलाड़ी नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम ने प्रो लीग के घरेलू चरण में दो जीत और दो ड्रॉ के साथ कुल नौ अंक हासिल किए और अंकतालिका में छठे स्थान पर रही। इंग्लैंड के खिलाफ 3-2 की जीत और एक ड्रॉ से शानदार शुरूआत की, लेकिन इसके बाद स्पेन से दो और जर्मनी से एक हार मिली। हालांकि, जर्मनी के खिलाफ 1-0 की वापसी जीत ने टीम का मनोबल बढ़ाया। विश्व की नंबर 1 टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ अंतिम दो मैचों में भारत ने दमदार जज्बा दिखाया। पहले मुकाबले में भले ही 2-4 से हार मिली, लेकिन भारत ने 13 पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर डच टीम को कड़ी टक्कर दी। आखिरी मैच में भारत ने नीदरलैंड्स को 2-2 से ड्रॉ पर रोका और शूटआउट में जीत हासिल कर बोनस अंक भी अर्जित किया। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने अनुभव और युवा जोश का संतुलन साधते हुए यह टीम चुनी है। यूरोपीय चरण प्रो लीग का अहम हिस्सा है और यहां दुनिया की टॉप टीमों से कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, भुवनेश्वर में हुए मुकाबलों से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करने का मौका मिला है। टीम ने हालिया कैंप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बेहतरीन प्रतिबद्धता दिखाई है। अब लक्ष्य यही है कि हर मैच में खुद को बेहतर करते हुए टीम को आगे बढ़ाएं।

24 सदस्यीय टीम इस प्रकार हैः

गोलकीपरः सविता, बिचू देवी खारिबम।

डिफेंडर्स : सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, सुमन देवी थौडम, ज्योति सिंह, ईशिका चौधरी, ज्योति छेत्री,

मिडफील्डरः वैष्णवी विट्ठल फालके, सुजाता कुजुर, मनीषा चौहान, नेहा।

मिडफील्डरः सलीमा टेटे (कप्तान), लालरेमसिआमी, शर्मिला देवी, सुनेलीता टोप्पो, महिमा टेटे।

फॉरवड : दीपिका, नवनीत कौर (उपकप्तान), दीपिका सोरेन, बलजीत कौर, रुतुजा दडासो पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग, साक्षी राणा।

नीरज चोपड़ा समेत चार भारतीय एथलीट्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा में होने वाली प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीटिंग में तीन अन्य भारतीय एथलीट्स के साथ हिस्सा लेंगे। यह पहली बार होगा जब डायमंड लीग के किसी एक इवेंट में भारत की तरफ से चार एथलीट्स भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा 2023 में दोहा डायमंड लीग का खिताब जीत चुके हैं, जहां उन्होंने 88.67 मीटर भाला फेंका था। वहीं, 2024 में वह 88.36 मीटर की थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार भी उनसे गोल्डन थ्रो की उम्मीद की जा रही है। नीरज के साथ पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में किशोर जेना भी नजर आएंगे। जेना ने 2024 में भी हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर की थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। इस बार वह अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिश करेंगे।

अन्य दो भारतीय एथलीट्स का ट्रैक पर होगा दमदार प्रदर्शन

इस बार ट्रैक इवेंट्स में भी भारत की दमदार मौजूदगी देखने को मिलेगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह अपना डायमंड लीग डेब्यू करने जा रहे हैं। वहीं, महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में पारुल चौधरी उतरेंगी, जो इस इवेंट की भारतीय रिकॉर्डधारक हैं। नीरज और जेना को इस बार सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। मैदान में दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), 2024 के विजेता याकुब वाडलेच (चेक गणराज्य),

खास खबर

डायमंड लीग में भाग लेंगे नीरज और जेना

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और किशोर जेना 16 मई से शुरू होने वाली डाइमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण में उतरेंगे। नीरज पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में किशोर जेना के साथ भाग लेंगे। जेना ने 2024 में भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर के थ्रो के साथ वह नौवें स्थान पर रहे थे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में विश्व के कई शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसमें दो बार के विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, 2024 के विजेता चेक गणराज्य के जेकब वाडलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनियर के जूलियस येगो और जापान के रोडरिक जेनकी डीन आदि हैं। वहीं इस लीग की 5000 मीटर दौड़ के पुरुष वर्ग में भारत के गुलवीर सिंह जबकि महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में पारुल चौधरी भाग लेंगी।

सुपर जायंट्स और आरसीबी मैच से फिर शुरू होगा आईपीएल

मुम्बई : भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को देखते हुए अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले फिर शुरू होने की संभावना है। माना जा रहा है कि 16 या 17 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच लखनऊ में मैच के साथ ही फिर से आईपीएल की शुरूआत होगी। इसी कारण बीसीसीआई ने सभी टीमों को अपने खिलाड़ियों को वापस बुलाने के लिए कहा गया है। वहीं अब एक बदलाव के तहत चार स्थानों पर ही बचे हुए सभी मैच खेले जाएंगे। वहीं दिल्ली और धर्मशाला में अब कोई मैच नहीं होगा। इससे पहले 8 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच को सुरक्षा कारणों से रोक दिया गया था। अब से मैचा फिर से नहीं खेला जाएगा क्योंकि दोनो ही टीमों को पहले ही अंक दे दिया गया था। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स समेत कुल 7 टीमें अभी प्लेऑफ की दावेदार हैं। गुजरात और आरसीबी अपने बचे तीन लीग मैचों में से एक जीतने पर आगे बढ़ेंगे जबकि पंजाब भी अपने बाकी बचे लीग मैचों में से एक जीतने पर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर सकती है। जहां तक मुम्बई और कैपिटल्स का सवाल है वे अपने बाकी बचे लीग मैच जीतने पर सीधे क्वालीफाई कर लेंगे। वहीं केकेआर और सुपर जायंट्स का प्रवेश अन्य टीमों पर आधारित होगा।

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के लिए अभ्यास शुरू किया

अहमदाबाद । भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम शुरू होते ही आईपीएल के भी शुरू होने की संभावनाएं हैं। ऐसे में अब टीमों ने भी अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। वहीं गुजरात टाइटंस ने तो अभ्यास भी शुरू कर दिया है। सीजन फायर के बाद टाइटंस अभ्यास शुरू करने वाली पहली टीम बन गई है। रविवार शाम को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम ने ये अभ्यास किया। टाइटंस का इस सत्र में शानदार प्रदर्शन रहा है और उसने 16 अंकों और 0.793 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। टीम के एक अधिकारी ने कहा, ह्यहां, हमने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। ह्न सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने फ्रैंचाइजियों से इस सीजन में बचे 16 मैच के लिए अपनी टीम तैयार रखने को कहा है। टूर्नामेंट 16 या 17 मई से शुरू हो सकता है। वहीं आधिकारिक घोषणा के साथ नया शेड्यूल 12 मई को सामने आयेगा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जोस बटलर और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी के अलावा सभी विदेशी खिलाड़ी गुजरात टाइटंस के अभ्यास सत्र में मौजूद थे। एके अधिकारी ने कहा, ह्यहमारी पूरी टीम यहीं है। जोस और गेराल्ड ही शेष हैं, वे जरूरत पड़ने पर वापस आ जाएंगे।

अपने नाखूनों को देखकर

जानें स्वास्थ्य का हाल, कितने सेहतमंद हैं आप

पुराने जमाने में वैद्य और हकीम किसी बीमारी का पता लगाने के लिए सबसे पहले हाथ के नाखूनों की जांच करते थे. उनका मानना था कि नाखूनों के रंग से कई तरह की बीमारियों का पता चलता है. आज के समय में भी आयुर्वेद और होम्योपैथी विशेषज्ञ बीमारी का पता लगाने के लिए नाखूनों के रंग की जांच करते हैं.

आपको बता दें कि सिर्फ आयुर्वेद और होम्योपैथी विशेषज्ञ ही नहीं मानते कि नाखूनों के रंग से कई बीमारियों का पता लगाया जा सकता है. बल्कि विज्ञान भी इस बात पर विश्वास करता है. नाखूनों के बदलते आकार और हमारे स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर किए गए विभिन्न शोधों में यह साबित हो चुका है कि नाखूनों के रंग और आकार से शरीर में पनप रही बीमारियों और विभिन्न कमजोरियों और स्थितियों का पता लगाया जा सकता है.

बता दें, मानव शरीर में नाखून और बाल, कैरोटीन नामक पोषक तत्व से बने होते हैं. ऐसे में शरीर में पोषक तत्वों की कमी या कोई बीमारी होने पर कैरोटीन की सतह प्रभावित होने लगती है और ज्यादातर मामलों में नाखूनों का रंग बदलने लगता है.

आमतौर पर नाखूनों का खराब होता स्वरूप यानी नाखूनों में दरारें आना, नाखून टूटना, शरीर में विटामिन सी, फॉलिक एसिड व प्रोटीन की कमी के कारण होता है. जानकार और डॉक्टर बताते हैं की जरूरी नहीं कि नाखून का बदलता रंग सभी व्यक्तियों में बीमारी का संकेत हो. महिलाओं में कई बार खराब नेल पॉलिश लगाने से भी नाखूनों की सतह पर असर पड़ता है. लेकिन ज्यादातर मामलों में नाखूनों का रंग, उन पर पड़ी धारियां, नाखूनों का मोटा-पतला होना आदि बातें शारीरिक समस्याओं का लक्षण हो सकती है.

मोटे, रूखे और कमजोर टूटे हुए नाखून

नाखूनों के मोटाई तथा उनका उभरापन सिरोसिस और फंगल इन्फेक्शन के लक्षण हो सकते हैं. वहीं शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने पर भी कई बार नाखून बेरंग और रूखे हो जाते हैं. इसके अलावा हृदय रोग की स्थिति में नाखून मुड़ जाते हैं. नाखूनों में सफेद रंग की धारियां और रेखाएं किडनी के रोगों का संकेत देती हैं. डायबिटीज पीड़ितों का पूरा नाखून सफेद या पीले रंग या एक दो गुलाबी रेखाओं के साथ नजर आता है. दिल के रोगियों के नाखूनों में लाल धारियां देखने को मिलती हैं. इसके अलावा नाखूनों के बदलते स्वरूप के कई कारण हो सकते है...

कमजोर या भुरभुरे से नाखून

रूखे, कमजोर और भुरभुरे से नाखून, जो जल्दी टूट जाते हो, उनका सीधा संबंध थायराइड या फंगल इंफेक्शन से होता है.

मोटे नाखून

आमतौर पर नाखूनों की यह स्थिति फंगल संक्रमण के कारण होती है. लेकिन गठिया, डायबिटीज, फेफड़ों में इंफ्केशन, एक्जिमा और सिरोसिस में भी नाखूनों में ये लक्षण देखे जाते हैं.

चम्मच आकार ((कोइलोनीचिया)

चम्मच की आकृति लिए घुमावदार नाखून हाइपोक्रोमिक एनीमिया की ओर इशारा करने वाली कॉइलोनाइचिया बीमारी के कारण भी हो सकते हैं. इस तरह के नाखून लीवर की समस्याओं को भी दर्शाते हैं

सफेद निशान या खरोंच जैसे निशान वाले नाखून

अगर आपके नाखूनों पर ऐसे धब्बे दिखें, तो यह एक आनुवंशिक समस्या हो सकती है। हालाँकि, सोरायसिस या एक्जिमा भी इस लक्षण के अंतर्गत आते हैं.

झुर्रीदार नाखून

शरीर में पोषण की कमी, नाखून में संक्रमण या चोट के कारण नाखून में य?ह समस्या हो सकती है. वहीं कीमोथैरेपी, डायबिटीज तथा अत्यधिक तापमान के कारण भी ऐसा होता है.

सफेद लाइन

नाखूनों के किनारे पर अक्सर सफेद लाइन दिखाई देती है. यह खून में प्रोटीन की कमी का लक्षण हो सकता है. इतना ही नहीं लीवर डिजीज, पोषण की कमी या फिर स्ट्रेस के कारण भी हो सकता है.

नाखून का बदलता रंग और गुणवत्ता

नाखूनों का रंग फीका पड़ना या फिर बेरंग होना, किसी प्रकार के इंफेक्शन, पोषण की कमी या शरीर के इंटरनल ऑर्गन्स की समस्याओं की ओर इशारा करते हैं.

नाखूनों का रंग सफेद, भूरा या गहरा होना

नाखूनों का रंग भूरा या गहरा होना थायराइड या कुपोषण के कारण हो सकते हैं. वहीं नाखूनों का सफेद होना आयरन की कमी का संकेत हैं. अगर नाखूनों पर गहरे रंग की पट्टि?यां नजर आए, तो यह सामान्यत: नुकसान रहित होती हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह स्किन कैंसर की निशानी भी हो सकती है. ऐसा होने पर डॉक्टर को जरूर दिखाएं.

नाखून का पीला होना

हाथों की ऊंगलियों के नाखून का रंग पीला पड़ना फंगल इंफेक्शन या सायरोसिस के कारण भी हो सकते हैं.

नीले या स्लेटी नाखून

नीलापन या स्लेटी रंग लिए हुए नाखूनों का मतलब है कि शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है और उसे ऑक्सीजन की आवश्यकता है.

नाखूनों का काला होना

स्किन डिजीज लाइकन प्लेनस, जिसमें पूरे शरीर में जगह-जगह पस पड़ जाती है, होने पर नाखून काले हो जाते हैं.

नाखून में होने वाला इंफेक्शन

नाखूनों के रंग बदलने की वजह फंगल इन्फेक्शन भी हो सकता है. शुरुआत में नाखून सफेद या पीले रंग के दिखाई देते हैं, पर संक्रमण बढ़ने पर बदरंग होने के साथ-साथ पतले और खुरदरे होने लगते हैं. हम सभी का शरीर कई प्रकार के माइक्रोआर्गेनिज्म और वायरस के संपर्क में आता है. स्किन पर हुए इंफेक्शन को अगर नाखून से खुजाया जाए, तो भी नाखून संक्रमित हो जाते हैं. जो लोग ज्यादा स्विमिंग करते हैं या ज्यादा देर तक पानी में रहते हैं या फिर जिनके पैर अधिकतर जूतों में बंद रहते हैं, उनमें संक्रमण का खतरा अधिक होता है. अगर नाखूनों के आसपास खुजली, सूजन और दर्द हो, तो ऐसे में चिकित्सक को दिखाना बेहतर रहेगा.

यूं बनाए रखें नाखूनों की सेहत

पूरे शरीर के पोषण का ध्यान रखें. पौष्टिक आहार की मदद से ना सिर्फ नाखून स्वस्थ रहते हैं, बल्कि उनमें दरार या कट भी नहीं पड़ते हैं. बता दें, विटामिन बी का सेवन नाखूनों की सुंदरता बढ़ाता है.

नाखूनों की बाहरी स्किन का खास ध्यान रखें.

नाखून और पोर्स के आसपास की त्वचा को नियमित रूप से मॉइस्चराइजर की नमी दें.

विटामिन सी का सेवन नाखूनों के आसपास की त्वचा को कटने-फटने से रोकता है.

नाखूनों पर कम से कम केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें.

क्या ज्वार की रोटी खाने से ब्लड शुगर कम होता है?

जीवनशैली में बदलाव और खानपान की गलत आदतों के कारण लोग कम उम्र में ही डायबिटीज के शिकार हो रहे हैं. डायबिटीज होने पर खान-पान और डाइट पैटर्न पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है. ऐसा न करने पर ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानें कि क्या ज्वार की रोटी सचमुच ब्लड शुगर लेवल को कम करती है? ऐसा माना जाता है कि इन्हें खाने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है.

विशेषज्ञों का कहना है कि ज्वार की रोटी डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है. यह एक मध्यम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली साबुत अनाज की रोटी होती है और इसमें फाइबर, विटामिन और खनिज भरपूर मात्रा में होते हैं. हाई फाइबर सामग्री ब्लड फ्लो में ग्लूकोज अवशोषण को धीमा करने में मदद करती है, जो ब्लड शुगर लेवल को प्रबंधित करने में मदद करती है. ज्वार में एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो डायबिटीज से संबंधित सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं.

चावल जल्दी पच जाता है इसके कारण इसे खाने वाले लोगों में ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. अगर डायबिटीज मरीज गेहूं की रोटी भी खाते हैं, तो भी शुगर लेवल वही रहता है. लेकिन डायबिटीज वाले लोग अगर ज्वार, रागी, साजा, अलसी, क्विनोआ, ओट्स आदि की रोटी खाते हैं, तो इन्हे पचने में थोड़ा समय लगता है. नतीजतन, डायबिटीज मरीजों का ब्लड शुगर लेवल उतनी जल्दी नहीं बढ़ता जितना जल्दी चावल या गेहूं की रोटी खाने से बढ़ता है.

डायबिटीज रोग विशेषज्ञ का कहना है कि ज्वार को डायबिटीज रोगियों के भोजन में शामिल किया जाने वाला एक आइडल अनाज माना जाता है , क्योंकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स में मीडियम होती है. टैनिन से भरपूर ज्वार का चोकर ऐसे एंजाइम स्रावित करता है जो शरीर में शुगर और स्टार्च के अवशोषण को कम करने की क्षमता रखते हैं. इस प्रकार ज्वार शरीर में ग्लूकोज के स्तर और इंसुलिन संवेदनशीलता को नियंत्रित करता है, जिससे डायबिटीज को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके अलावा, फाइबर, थायमिन, नियासिन, राइबोफ्लेविन और फोलेट से भरपूर ज्वार गैस्ट्रिक खाली करने में देरी करता है, रक्तप्रवाह में ग्लूकोज की रिहाई और अवशोषण को धीमा करता है और ब्लड शुगर के स्पाइक्स को रोकता है. नियमित रूप से ज्वार की रोटी खाने से हेपेटिक ग्लुकोनियोजेनेसिस को कम किया जा सकता है.

ज्वार के अन्य स्वास्थ्य लाभ

आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है-

ज्वार में भरपूर मात्रा में आहार फाइबर होने के कारण यह पाचन तंत्र के सुचारू संचालन में सहायता करता है. इसके अलावा, ज्वार को नियमित रूप से खाने से पेट फूलना, कब्ज, पेट फूलना, अपच, ऐंठन, दस्त और जठरांत्र संबंधी समस्याओं से बचने में मदद मिल सकती है।

कैंसर के खतरे को कम करने में मददगार-

ज्वार में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी बहुत मूल्यवान है क्योंकि यह कई प्रकार के कैंसर के खतरे को रोकता है. जो लोग ज्वार को मुख्य भोजन के रूप में खाते हैं, उनमें गेहूं या मकई खाने वालों की तुलना में कैंसर होने की संभावना काफी कम होती है, क्योंकि एंटीऑक्सीडेंट कैंसर कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देने वाले मुक्त कणों को नष्ट कर देते हैं.

हार्ट हेल्थ को लिए फायदेमंद-

ज्वार में मौजूद फाइटोकेमिकल्स फिनोल, टैनिन और प्लांट स्टेरोल्स की अच्छाई हाइपोकोलेस्ट्रोलेमिक प्रभाव के लिए जानी जाती है. जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार ज्वार से निकाले गए 10-20 मिलीग्राम पॉलीकोसैनोल एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को काफी हद तक कम कर सकते हैं.

एनर्जी बूस्टर-

ज्वार में नियासिन या विटामिन बी3 भरपूर मात्रा में पाया जाता है , नियासिन एक आवश्यक पोषक तत्व है जो शरीर में एनर्जी के चयापचय में एक महत्वपूर्ण घटक है. आहार में ज्वार को शामिल करने से चयापचय बढ़ता है और पूरे दिन एनर्जी का स्तर बढ़ता है.

हड्डियों को मजबूत बनाता है-

ज्वार में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाने में सहायता करती है, जो कैल्शियम के स्तर को बनाए रखने और हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करती है.

हीमोग्लोबिन लेवल में सुधार करता है-

ज्वार में जरूरी मिनरल्स, आयरन और कॉपर होते हैं जो शरीर में ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं.

वजन घटाने में मददगार-

अगर आप वाकई एक्स्ट्रा फैट कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो अपने डाइट में ज्वार को शामिल करना शुरू करें

ग्लाइसेमिक इंडेक्स क्या है?

विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) यह मापता है कि कोई खाद्य पदार्थ आपके रक्त शर्करा (ग्लूकोज) को कितनी तेजी से बढ़ सकता है. केवल कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों में जीआई होता है. तेल, फैट और मांस जैसे खाद्य पदार्थों में जीआई नहीं होता है, हालांकि डायबिटीज वाले लोगों में, वे ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकते हैं. आम तौर पर, कम जीआई वाले खाद्य पदार्थ आपके शरीर में ग्लूकोज को धीरे-धीरे बढ़ते हैं. वहीं हाई जीआई वाले खाद्य पदार्थ ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ते हैं. यदि जीआई 56-69 के बीच है, तो इसे मध्यम ग्लाइसेमिक इंडेक्स माना जाता है, और यदि यह 70 से ऊपर है, तो इसे हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स माना जाता है.

सुमित पुरोहित की बागी बेचारे में शामिल हुए अभिषेक बनर्जी

बॉलीवुड में नई फिल्म के जरिए धमाल मचाने की तैयारी की जा रही है और इसका नाम है बागी बेचारे। मशहूर लेखक और निर्माता सुमित पुरोहित इस बार निर्देशक की कुर्सी संभाल रहे हैं। यह फिल्म बीई8 फिल्म्स प्रोडक्शन (अश्वनी कुमार), ट्रेनट्रिपर फिल्म्स और इनक्लूसिव पिक्चर्स के सह-निर्माण से बन रही है।

बागी बेचारे में स्कैम 1992 फेम प्रतीक गांधी, पाताल लोक के अभिषेक बनर्जी और पंचायत के फैसल मलिक जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। वहीं, मिर्जापुर के लेखक पुनीत कृष्णा इस प्रोजेक्ट में सह-लेखक की भूमिका में हैं, जबकि इनसाइड एज और श्रीकांत के प्रोजेक्ट्स लिख चुके सुमित पुरोहित फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इसके अलावा, बंबई मेरी जान के निर्माता अश्वनी कुमार और क्रिएटिव प्रोड्यूसर देवांश पटेल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

बागी बेचारे एक व्यंग्यात्मक कहानी है, जो आज के समय को आईना दिखाएगी। सुमित पुरोहित ने वैरायटी के साथ एक इंटरव्यू में कहा, व्यंग्य मेरे लिए एक तरह का सुकून है। यह हमें उन सच्चाइयों का सामना करने की हिम्मत देता है, जो ना तो पूरी तरह सच लगती हैं और ना ही इन्हें नजरअंदाज किया जा सकता है। इतने सारे प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करना मुझे यह यकीन दिलाता है कि हम ऐसी कहानियां बता सकते हैं, जो ना सिर्फ ईमानदार हों, बल्कि हमारे समय को बेबाकी से दर्शाएं।

कलाकारों का उत्साह

प्रतीक गांधी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना, जो सच्ची कला और सहयोग से बनी हो, बहुत खास है। एक अभिनेता के तौर पर यह प्रेरणादायक है और मैं इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस करता हूं। वहीं, अभिषेक बनर्जी ने कहा, यह देखना खुशी की बात है कि स्वतंत्र और रचनात्मक फिल्में आज मुख्यधारा का हिस्सा बन रही हैं। हम सिनेमा के सुनहरे दौर में हैं और एक अभिनेता के तौर पर मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहता हूं, जो दर्शकों को नई सोच दें और उनकी उम्मीदों को चुनौती दें।

मेरे व्यक्तित्व को दर्शाता है 'द रॉयल्स' की सोफिया का किरदार

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपने आगामी शो 'द रॉयल्स' को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। वो अपने शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। शो में भूमि एक आत्मविश्वासी और खुले विचारों वाली लड़की सोफिया का किरदार निभा रही हैं। जो उनके बाकी किरदारों से काफी अलग है। अब उन्होंने सीरीज के अपने किरदार और अपने को-स्टार ईशान खट्टर के साथ काम करने के अपने अनुभव को लेकर बात की।

शो को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि पहली बार स्क्रीन पर उनके लुक पर वाकई ध्यान दिया गया और उनकी देखभाल की गई। अपनी हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने सीरीज 'द रॉयल्स' को लेकर बात की। इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, यह अनुभव मेरे लिए सबसे अलग था। क्योंकि यह पहली बार था जब मुझे अपने ऑन-स्क्रीन लुक के साथ वास्तव में प्रयोग करने का मौका मिला। पहली बार ऐसे लोग थे जो वास्तव में इस बात की परवाह करते थे कि मैं स्क्रीन पर कैसी दिखती हूं, जो मेरे लिए एक नया और ताजा अनुभव रहा। मैंने कभी भी कट, कट, बाल ठीक नहीं है, ये एंगल, वो एंगल, ऐसा अनुभव किया ही नहीं था। 'द रॉयल्स' में ऐसा देखकर मैं वाकई हैरान थी और काफी खुशी मिली।

इस दौरान भूमि ने अपने किरदार सोफिया को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, सोफिया की भूमिका निभाना, मेरे अपने व्यक्तित्व को दर्शाता है। मैंने कभी किसी किरदार को निभाने में इतना आत्मविश्वास महसूस नहीं किया, जो बदले में दर्शकों के लिए खुल जाता है। मुझे सोफिया का किरदार निभाना बहुत पसंद आया।

ईशान खट्टर ने निभाया है लीड रोल

प्रियंका घोष और नुपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित 'द रॉयल्स' 9 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है। इस शो में भूमि के साथ ईशान खट्टर और जीनत अमान समेत कई कलाकार हैं। एक रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा सीरीज है।

मुझे सिंगल मदर कहलाना पसंद नहीं

दिग्गज स्टार हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने साल 2024 में पति भरत तख्तानी से अलग होने का फैसला लिया। हाल ही में एक इंटरव्यू में ईशा से उनके अलग होने के बाद से सिंगल पैरेंटहुड के बारे में पूछा गया। ईशा ने बताया कि भरत और उन्होंने अपनी दो बेटियों राध्या और मिराया के खातिर एक नया डायनैमिक्स बनाया है। ईशा ने कहा कि मैच्योर पर्सन के रूप में माता-पिता को एक नया डायनैमिक्स विकसित करना चाहिए ताकि परिवार की यूनिट तब भी एक साथ रह सके जब माता-पिता ने अलग होने का फैसला किया हो।यूट्यूब चैनल ममाराज़ी के साथ बातचीत में ईशा से पूछा गया कि क्या सिंगल मॉम होना ज़्यादा सही है या ये बोझिल है? इस पर ईशा ने कहा कि वह खुद को सिंगल मदर के रूप में सोचना पसंद नहीं करती हैं। उन्होंने कहा- मुझे खुद को सिंगल मदर के रूप में सोचना पसंद नहीं है क्योंकि मैं एक सिंगल मदर की तरह व्यवहार नहीं करती और न ही मैं दूसरे व्यक्ति को मेरे साथ ऐसा व्यवहार करने देती हूं। ईशाने कहा, यह सिर्फ इतना है कि जीवन में, कभी-कभी, कुछ चीज़ों के कारण, भूमिकाएं बदल जाती हैं और अगर यह एक तय इक्वेशन में काम नहीं करता है कि दो लोग एक समय में क्या थे, तो आपको इसे अपने ऊपर लेना चाहिए, खासकर जब आपके बच्चे हों, तो दो मैच्योर व्यक्तियों को इसे दूसरे डायनैमिक के रूप काम करना चाहिए लेकिन बच्चों की खातिर यूनिट को एक साथ रखना चाहिए। और ठीक यही मैं और भरत करते हैं।

इसी बातचीत में ईशा से यह भी पूछा गया कि वह अपने काम और बच्चों के बीच समय को मैनेज कैसे करती हैं, तो उन्होंने कहा कि सभी कामकाजी माताओं को टाइम मैनेजमेंट की कला में महारत हासिल करनी चाहिए क्योंकि यह बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, क्योंकि इसके बिना, अगर आपका शेड्यूल बिगड़ जाता है तो यह गिल्ट पैदा करता है और मैनेजमेंट खराब हो जाता है। ईशा ने बताया कि कभी-कभी वह एक महीने पहले ही अपना शेड्यूल बना लेती हैं ताकि वह अपनी बेटियों के लिए समय निकाल सकें। मैं अपने दोस्तों से कम मिलती हूं, मैं कम बाहर जाती हूं उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, अगर एक दिन मुझे 10 या 12 घंटे शूटिंग करनी है तो मैं अपनी बेटियों के साथ कम से कम 4 घंटे पूरे मन से बिताने की कोशिश करती हूं। छुट्टी वाले दिन मैं पूरा दिन अपने बच्चों के साथ बिताती हूं। मैं ऐसी चीजें करती हूं जो उन्हें पसंद हों, ताकि वे संतुष्ट और संतुष्ट महसूस करें कि मैं उनपर 100 प्रतिशत ध्यान दे रही हूं। मैं अपने दोस्तों से कम मिलती हूं, मैं कम बाहर जाती हूं क्योंकि बैलेंस बनाने का यही एकमात्र तरीका है।

हमारे दोनों बच्चों का हित और बेहतरी हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण

बता दें कि ईशा और भरत तख्तानी की शादी 2012 में हुई थी। उन्होंने 2024 में एक बयान के साथ अपने अलगाव की घोषणा की, जिसमें लिखा था, हमने आपसी सहमति से और सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग होने का फैसला किया है। हमारे जीवन में इस बदलाव के माध्यम से, हमारे दोनों बच्चों का हित और बेहतरी हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और रहेगा। हम चाहेंगे कि हमारी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए।

ऊटी में थामा के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग कर रहे आयुष्मान खुराना

स्टारर वैम्पायर-थीम वाली कॉमेडी फिल्म थामा शूटिंग के अपने अंतिम फेज में पहुंच गई है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार की इस फिल्म का अंतिम शूटिंग शेड्यूल 28 अप्रैल से ऊटी में शुरू हुआ है। क्लाइमैक्स और रोमांस के अहम सीन फिल्माए जाएंगे। यह शेड्यूल 25 मई तक चलेगा। इसमें क्लाइमैक्स और मुख्य किरदारों के बीच रोमांस के सीन्स सहित कई अहम सीन्स शूट होंगे। प्रोडक्शन टीम वर्तमान में तमिलनाडु के नीलगिरी जंगलों में डोड्डाबेट्टा पीक के पास डेरा डाले हुए है, जहाँ वे नवाजुद्दीन के किरदार की कहानी भी फिल्माने की तैयारी कर रहे हैं।

नेपोटिज्म के आरोपों पर पलक ने दिया जवाब

अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'द भूतनी' को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। फिल्म में पलक की एक्टिंग को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। इंडस्ट्री में अपनी पहचान में बनाने में जुटीं पलक तिवारी पर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी होने के नाते नेपोटिज्म के आरोप भी लगते रहे हैं। उन्हें भी इस बहस का कई बार सामना करना पड़ता है। हालांकि, पलक ने हमेशा से ही नेपोटिज्म पर खुलकर बात की है। उनका मानना है कि इंटरनेट की दुनिया में लोग काफी कठोर होते हैं और वो ट्रोल करते हैं, लेकिन हमारा काम है कि अपने माता-पिता की विरासत को बनाए रखना।

बातचीत के दौरान जब पलक तिवारी से उनके समकक्ष कलाकार अनन्या पांडे, खुशी कपूर, इब्राहिम अली खान और जुनैद खान जैसे स्टारकिड्स को अपने फिल्मी घराने से आने के कारण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है, इसको लेकर सवाल किया गया। तब पलक तिवारी ने जवाब देते हुए कहा, इंटरनेट पर लोग स्टार किड्स के मामले में थोड़ा निर्दयी हैं। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि इसके साथ एक जिम्मेदारी भी होती है। लोग हमारे पैरेंट्स को लेकर काफी प्रोटेक्टिव हैं, क्योंकि वो उनको देखकर बड़े हुए हैं। वो उनसे प्यार करते हैं। मुझे पता है कि प्रेरणा के किरदार ने लोगों को प्यार का मतलब सिखाया है। वो श्वेता तिवारी को लेकर इतना अधिक जुड़ चुके हैं, इतना अधिक सुरक्षात्मक हैं कि जब वो मुझे उनकी बेटी के रूप में एक्टिंग में देखते हैं, तो सोचते हैं कि वह कभी भी उससे मेल नहीं खाएगी। ये सिर्फ लोगों का हमारे माता-पिता को लेकर लगाव और प्यार है।

पलक ने आगे इस बारे में और लोगों की उम्मीदों के बारे में बात करते हुए कहा कि हम स्टारकिड्स कभी भी अपने पैरेंट्स की बराबरी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, लोग यह भूल जाते हैं कि हम कभी भी अपने माता-पिता की बराबरी नहीं करना चाहते। हम अच्छी तरह जानते हैं कि हम कभी भी उस मुकाम को छू नहीं सकते और हम उनके सबसे बड़े फैन हैं। मुझे लगता है कि मैं सभी स्टार किड्स की तरफ से बोल सकती हूं कि हमारा एकमात्र उद्देश्य बस उस विरासत को बनाए रखना है और उसे नुकसान नहीं पहुंचाना है।

फ्लॉप के सिक्सर के बाद पूजा हेगड़े की गाड़ी खा रही हिचकोले, इस नई फिल्म को लेकर संकट

आमतौर पर हिंदी फिल्मों के निर्माता और निर्देशक ऐसी बातें खुल्लम खुल्ला करते हैं और किसी एक सितारे की फिल्में कतार से फ्लॉप होनी शुरू हो जाएं तो उसे 'पनौती' का नाम तक दे डालते हैं, लेकिन एक तमिल और दो तेलुगु फिल्में करने के बाद हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ साल 2016 में फिल्म 'मोहनजोदाड़ो' में लॉन्च हुई अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ ऐसा कुछ अभी तक तो नहीं हुआ है। हां, उनकी वरुण धवन के साथ बन रही फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के ताजिये अभी से ठंडे पड़ते दिख रहे हैं।

इस साल में हिंदी और अब तमिल में दो बैक टू बैक फ्लॉप फिल्में दे चुकीं अभिनेत्री पूजा हेगड़े की नई हिंदी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसी साल के शुरू में रिलीज हुई फिल्म 'देवा' पूजा की हिंदी में लगातार छठी फ्लॉप फिल्म है। निर्देशक आशुतोष गोवारिकर उन्हें साउथ सिनेमा से अपनी फिल्म 'मोहनजोदाड़ो' के लिए खोजकर लाए थे, और अब साउथ सिनेमा से ही पूजा का बोरिया बिस्तर सिमटता नजर आ रहा है। फिल्म 'रेट्रो' के बाद उनके पास तमिल में उनके अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही 'जन नायकन' और 'कंचना 4' ही हैं। पूजा हेगड़े के नाम के साथ हिंदी की कुछ मेगा बजट फिल्में हैं, जिनमें से एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट का तमगा निर्विवादित ढंग से नहीं पा सकती है। साल 2016 में 'मोहनजोदाड़ो' में ऋतिक रोशन का करियर दांव पर लग गया था और अभी पिछले साल 'किसी का भाई किसी की जान'का जो हश्र हुआ, उसने सलमान खान जैसे बीते दिनों के सुपरस्टार के तोते उड़ा दिए हैं। प्रभास की फिल्म 'राधेश्याम' और रणवीर सिंह की सुपरफ्लॉप फिल्म 'सर्कस' में भी पूजा हेगड़े के होने की लोग इन दिनों फिर से गिनती कर रहे हैं।

पूजा हेगड़े का ताजा मामला उनके फिल्म 'देवा' के को-स्टार वरुण धवन का है। वरुण धवन हिंदी फिल्म जगत में करीब-करीब हाशिये पर आ चुके हैं। उनकी वेब सीरीज 'सिटाडेट हनी बनी' का दूसरा सीजन कैंसिल हो चुका है। 'देवा' का बॉक्स ऑफिस पर जो हाल हुआ, वह अब किसी से छुपा नहीं है। निर्देशक डेविड धवन ने अपने बेटे वरुण धवन की मदद के लिए फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' शुरू की है। इस फिल्म में उन्होंने फिल्म 'देवा' की ही जोड़ी को रिपीट किया है लेकिन फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो जाने के बावजूद इस फिल्म में अब न तो किसी कॉरपोरेट घराने ने दिलचस्पी दिखाई है और न ही किसी सैटेलाइट चैनल या ओटीटी की इस फिल्म में रुचि बनती दिख रही है।

वरुण धवन की इस फिल्म में हीरोइन बनेंगी मृणाल ठाकुर

हाल ही में अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस निर्देशक डेविड धवन के साथ दिख रही हैं, जो शूटिंग सेट से साझा की गई है। इस तस्वीर को मृणाल ठाकुर ने यूके से शेयर किया है, जिसमें वह निर्देशक डेविड धवन के साथ मुस्कुराती हुई बैठे नजर आ रही हैं। आपको बताते चलें कि रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री इस समय है जवानी तो इश्क होना है फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं। इस फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता के तौर पर एक्टर वरुण धवन हैं, जो शूटिंग में जोरो-शोरों से व्यस्त हैं। इसके अलावा रिपोर्ट्स के जरिए ये जानकारी भी सामने आ रही है कि फिल्म में मृणाल ठाकुर के साथ पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

क्रांतिकारी कदम साबित होगा 'एक राष्ट्र एक चुनाव' : अश्वनी त्यागी

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर एम.एल.सी विधायक अश्वनी त्यागी, पूर्व नेवी अधिकारी राजेंद्र शंकर, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने करी और सभी आए प्रबुद्धजनों का स्वागत किया।

प्रबुद्ध वर्ग से सीधे संवाद स्थापित करते हुए अश्वनी त्यागी ने एक राष्ट्र एक चुनाव की उपलब्धियों को गिनाया। इसके साथ ही विकास और राष्ट्रवाद को पार्टी की प्राथमिकता बताया है। उन्होंने एक राष्ट्र एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करना है ताकि समय, संसाधन और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके साथ ही देश के विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे।

अश्वनी त्यागी ने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव एक क्रांतिकारी कदम है जो भारत के लोकतांत्रिक को अधिक मजबूत पारदर्शी और कुशल बन सकेगा। इससे न केवल सरकार के कार्य में निरंतर आएगी बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता भी सुधार होगी।

अपने संवाद में जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने कहा एक साथ चुनाव से मतदाताओं में अधिक जागरूकता और उत्साह पैदा होगा जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा और लोकतंत्र को सशक्त किया जा सकेगा। कार्यकर्म संयोजन उमेश त्यागी और पंकज झा ने सभी प्रबुद्धजनों का अभिनंदन किया।

अशोक मिश्रा, मनीष तिवारी, मुक्तानंद शर्मा, रवि यादव, राहुल शर्मा, ओम यादव, प्रदीप चौहान, शिवांश श्रीवास्तव, डॉ प्रसेनजीत मैत्रा, सत्यनारायण माहवार, भूपेश चौधरी, मधु मेहरा, राम किशन यादव, धर्मेंद्र गुप्ता, विनोद त्यागी, धर्मेंद्र चौहान, अर्पित मिश्राआदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवरत्न फाउंडेशन का 23वाँ वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। नवरत्न फाउंडेशन का 23वाँ वार्षिकोत्सव एनईए सभागार में धूमधाम से सम्पन हुआ।

नोएडा स्थित एनईए सभागार में जब दीप प्रज्ज्वलित हुआ। बिहार के सुदूर जिले से आए चंदन कुमार दुबे हों, या नोएडा की गलियों में दिव्यांगों के अधिकारों के लिए लड़ रहे विक्की यादव। चाहे नई दिल्ली की 'परी' संस्था हो, जो बलात्कार पीड़ितों की आवाज़ बन चुकी है, या धारवाड़ की अनन्या पॉल, जो नारी गरिमा की मिसाल हैं, हर एक को नवरत्न पुरस्कारों से नवाज़ा गया।

मुख्य संरक्षक व पूर्व न्यायाधीश अरविंद श्रीवास्तव ने गर्व से कहा यह फाउंडेशन कोई संस्था नहीं, यह एक संवेदनशील आत्मा है, जिसने 22 वर्षों में 500 से अधिक सेवाव्रती जनों को समर्पण सम्मान से विभूषित किया है। और इस वर्ष भी, लगभग 15 विभूतियों को उत्तरवस्त्र, प्रतीक चिह्न और 11,000 रूपये की राशि के साथ सम्मानित कर उनका हृदय से अभिनंदन किया गया।

नवरत्न के संस्थापक अध्यक्ष डॉ0 अशोक श्रीवास्तव ने वार्षिकोत्सव में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर राज्यसभा के पूर्व सचिव प्रदीप चतुर्वेदी, महिला आयोग की अध्यक्षा विमला बाथम, अंतरराष्ट्रीय वक्ता जमील अहमद, कनाडा से आए रोहित श्रीवास्तव, वैद्य अच्युत कुमार त्रिपाठी (आयुष मंत्रालय) आदि ने इस आयोजन को गरिमा और प्रेरणा से भर दिया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि प्रदीप चतुर्वेदी, सयुंक्त सचिव, भारत सरकार राजीव श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव, चुनाव आयोग, रोहित श्रीवास्तव, टोरोंटो, कनाडा, विमला बाथम, विनोद मिश्रा, विपिन मल्हन, डॉ. वी एस चौहान, विंग कमांडर आशिष सक्सेना, डॉ. कल्पना भूषण, आयुर्वेद आचार्य अच्युत कुमार त्रिपाठी, आचार्य गौत्तम ऋषि, आदित्य घिल्डियाल, अनु खान, अरविन्द श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, अनुरंजन, महेश सक्सेना, ज्योति सक्सेना, जमील अहमद, एन पी सिंह, कर्नल अमिताभ अमित, राकेश कोहली, राकेश सिन्हा, रजनी शर्मा, ग्रुप कैप्टेन जी सी मेहरा, अशोक सक्सेना, मृदुला सक्सेना, सुनील सक्सेना, कृष्ण मोहन, शालू सिंह, मदन लाल, सुनील पुरी, प्रदीप शर्मा, रितु नाथ, विमलेश शर्मा, दिनेश भारद्वाज ओ पी गोयल. आदि रहे।

सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए में एक्यूपंक्चर शिविर आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित सामुदायिक केंद्र में एक्यूपंक्चर शिविर का आयोजन किया गया। यह निशुल्क कैंप फेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा जैना एक्यूपंक्चर के सहयोग से आयोजित किया गया।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष तथा फोनरवा के महासचिव के.के. जैन ने बताया कि नि:शुल्क जांच शिविर में 100 से अधिक सभी वर्गों के लोगों ने अपनी जांच करवाई ।

महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि कैम्प में जैना एक्यूपंक्चर के डॉ. अमित जैन ने अपनी टीम के साथ लोगों का चेकअप किया। लोगों को एक्यूपंक्चर और मेगनेटिक थैरेपी ट्रीटमेंट के बारे में समझाते हुए इसके लाभ भी बताए गए।

उन्होंने एक्यूपंक्चर द्वारा जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में दर्द, अकड़न, ऐंठन, कटिस्नायुशूल आदि से लोगों का इलाज किया तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई।

इस मौके पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के.के.जैन, महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, डी.के.भारद्वाज, विकास गुलाटी, आरसी शर्मा तथा बड़ी संख्या में सेक्टर निवासी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने कैंडल जलाकर शहीद वीर जवानों को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। भारत पाक संघर्ष में शहीद हुए अपने 'वीर जवानों' और जान गंवाने वाले अपने 'निर्दोष नागरिकों' को 'श्रद्धांजलि' अर्पित करने के लिए 'शहीद स्मारक',सेक्टर-29 नोएडा गौतमबुद्धनगर पर सायं 6-30 बजे जिला कांग्रेस कमेटी एवं महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के कार्यकताओं ने महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में मोमबती जलाकर शहिदों की याद में दो मिनट का मौन भी रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों में अध्यक्ष मुकेश यादव, दुष्यंत नागर, पवन शर्मा, लियाकत चौधरी, यतेंद्र शर्मा, मुकेश शर्मा, निशा शर्मा, किशन शर्मा, डॉ सीमा, संजय तनेजा, फिरे सिंह, जितेंद्र अम्बावत, विक्रम सेठी, महाराज सिंह, धर्म सिंह वाल्मीकि, कुमारी श्रुति, कपिल भाटी, पुनीत मावी, धीरा सिंह,सचिन भाटी,गौरव वशिष्ठ, सुनील शर्मा,प्रशांत शर्मा, कुमारी आकांक्षा सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

कंटेनर से मोबाइल चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, ढाई करोड़ का माल बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने एक बड़े गिरोह को पकड़कर उस गिरोह के कब्जे से ढाई करोड़ रूपये मूल्य के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह मोबाइल फोन वीवो कंपनी के कंटेनर से चुराए गए थे।

नोएडा कमिश्नरी पुलिस के मीडिया सेल ने बताया कि ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में स्थित नॉलेज पार्क थाने की पुलिस ने एक बड़ा गिरोह पकड़ा है। यह गिरोह फैक्ट्रियों से बिक्री के लिए भेजे जाने वाले मोबाइल फोन रास्ते में ही चुरा लेता था। इस गिरोह के पास से ढाई करोड रूपये मूल्य के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस संबंध में नोएडा कि पुलिस ने कन्टेनर संख्या DL 01 LAL 2346 में से VIVO ब्रान्ड के न्यू मोबाइलों को चोरी करने वाले अभियुक्तों अरविन्द दुबे पुत्र राजकिशोर दुबे, अभिषेक चौहान पुत्र सुधीर सिंह, सिमरन सैठी पुत्र स्व0 प्रीतम सिंह को ग्राम झट्टा रेलवे अण्डरपास के पास थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र से चोरी के 603 मोबाइल फोन, एक तमंचा 315 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया है।

इस गिरोह ने वीवो कंपनी के मोबाइल फोन कंटेनर से चुराए थे। इनके खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह जब कन्टेनर गाड़ी कम्पनियों से मोबाइल फोन लेकर रवाना होती थी तो गाड़ी का ड्राईवर गिरोह से सांठ-गांठ करके गाड़ी से मोबाइल फोन के कुछ कार्टून चोरी करके सील बदल दिया करते थे।